Ministry of Culture
Government of India

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2020-2021

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर
West Zone Cultural Centre Udaipur

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र एक पंजीकृत संस्था है, जिसकी स्थापना 1986 में की गई। इस केन्द्र की स्थापना पश्चिमी क्षेत्र राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा व केन्द्र शासित प्रदेश दमन, दीव व दादरा नगर हवेली में सांस्कृतिक रचनात्मक विकास, प्रदर्शनकारी कलाओं, चाक्षुष कलाओं, साहित्यिक कार्य, पारम्परिक लोक व जनजाति कलाओं के उन्नयन व संरक्षण के लिए की गई।

सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत को बंद दर्शक दीर्घाओं की बजाय विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं के सहयोग से देश के करोड़ों लोगों तक पहुँचाना है। केन्द्रों की स्थापना लोगों की सहभागिता एवं सांस्कृतिक पुनर्जीवन तथा क्षेत्र की लुप्त प्रायः कला व शिल्प शैलियों का प्रलेखन करने के लिये की गई हैं।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र इस क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर फैली कलाओं के विकास तथा प्रोत्साहन के लिए कड़ा परिश्रम कर रहा है तथा यत्र तत्र फैली भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से लोगों को परिचित कराने के लिये चेतना जागृत कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए केन्द्र विभिन्न राज्यों, केन्द्रीय अकादमियों व स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से ग्रामीण स्तर, तहसील, जिला, राज्य स्तर, अन्तःक्षेत्र व बाह्य क्षेत्र तथा सम्पूर्ण भारत में विभिन्न कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक गतिविधियां संचालित कर रहा है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का कार्यालय ऐतिहासिक बागोर की हवेली, उदयपुर में स्थित है।

West Zone Cultural Centre

West Zone Cultural Centre is a registered society established during 1986. The Cultural Centre is set up to provide facilities for the creative development of performing arts, visual arts, literary work, folk, traditional and tribal art forms in the Western region of India in the States of Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Goa and the Union territories of Daman, Diu and Dadra Nagar Haveli. From the limited audience of a closed auditorium, these Centres are intended to outgrow into cultural organisations for the teeming millions of India as its audience.

There is a definite emphasis on people's participation & cultural rejuvenation besides documentation of vanishing art & crafts of the region. WZCC strives hard to develop and promote the rich diversities and uniqueness of the various art forms prevalent in the Zone to upgrade, disseminate and enrich consciousness among the people about India's rich cultural heritage. To achieve these objectives, various programmes & activities are organized at village level, taluka level, district level, state level, inter and intra-zonal level throughout the country in collaboration with various State, Central Academies and voluntary organisations. The office of the West Zone Cultural Centre is located in the historical Bagore ki Haveli.

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र को राजस्थान सरकार ने वर्ष 1986 में ऐतिहासिक बागोर की हवेली को केन्द्र का मुख्यालय बनाने के लिए सौंपा। बागोर की हवेली पिछोला झील के किनारे गणगौर घाट पर स्थित है, जहां से जग निवास (अब लेक पैलेस होटल) एवं जग मंदिर स्पष्ट दिखाई देते हैं।

इस हवेली का निर्माण वर्ष 1751 से 1778 तक महाराणा प्रतापसिंह द्वितीय, राजसिंह, अरी सिंह व हमीर सिंह के शासन काल में मेवाड़ के प्रधानमंत्री रहे श्री अमर चंद बडवा ने करवाया श्री अमर चंद बडवा की मत्य के पश्चात यह हवेली मेवाड राज्य के शाही परिवार के आधिपत्य में आ गई। इसके बाद यह हवेली महाराणा के भाई महाराजा नाथ सिंह के अधिकार में आई, तत्पश्चात मेवाड़ शाही परिवार में बागोर ठिकाणा एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया। इसके बाद बागोर के ठिकाणे का मुखिया महाराज कहलाने लगा। जब कभी शाही परिवार में पुरुष उत्तराधिकारी नहीं होता था तब मेवाड़ शासन को चलाने के लिए बागोर की हवेली से लड़कों को गोद लिया जाता था।

वर्ष 1828 से 1884 की अवधि में बागोर ठिकाणे से चार महाराणा सरदार सिंह, स्वरूप सिंह, शम्भू सिंह व सज्जन सिंह गोद लिये गये जिनका बचपन व जवानी बागोर की हवेली के चौक व गलियारों में बीता द्यमहाराज नाथ सिंह के बाद गद्दी पर बैठे महाराज भीम सिंह ने पिछोला के किनारे गणगौर घाट का निर्माण करवाया, जहाँ पर प्रतिवर्ष चौत्र (मार्च/अप्रेल) माह में गणगौर उत्सव मनाया जाता है। महाराणा सज्जन सिंह (1874–1884) अंतिम शासक थे जिनको बागोर ठिकाणे से गोद लिया था, उन्होनें उनके पिता महाराज श्री शक्ति सिंह को बागोर का मालिकाना हक इनाम में देकर शक्ति सिंह जी को बागोर का प्रमुख बना दिया।

वर्ष 1878 में महाराज शक्ति सिंह ने गणगौर घाट पर एक अत्यन्त सुन्दर कांच की पच्चीकारी से युक्त त्रिपोलिया (तीन तोरण द्वार) बनवाया एवं हवेली में भी कांच की पच्चीकारी युक्त काम करवाया। महाराणा शक्ति सिंह की मृत्यु के पश्चात, बागोर ठिकाणे में किसी भी पुरुष उत्तराधिकारी के नहीं होने के कारण बागोर ठिकाणे पर मेवाड़ राज्य का आधिपत्य हो गया। महाराणा फतह सिंह (1884दृ1930) ने बागोर की हवेली को "खालसा घोषित करके इसे मेवाड़ राज्य में मिला दिया। उनके उत्तराधिकारी महाराणा भूपाल सिंह जी (1930–1955) ने इस हवेली का पुर्ननिर्माण करवाया तथा इसे शाही परिवार के ठहरने के लिए तृतीय श्रेणी के विश्रान्ति गृह में परिवर्तित किया । आजादी के बाद राजस्थान सरकार ने इस हवेली को राज्य सरकार के कर्मचारियों के निवास के लिए उपयोग में लिया। लगभग चालीस वर्ष तक हवेली के रख रखाव पर ध्यान नहीं दिये जाने के कारण यह जर्जर अवस्था में पहुंच गई।

वर्ष 1986 में जब पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का गठन हुआ तो राज्य सरकार ने बागोर की हवेली को केन्द्र का मुख्यालय स्थापित करने के लिये सौंपा। इस हवेली को जिसमें 138 कक्ष, बरामदे व कई गलियारे हैं, को ठीक करना बहुत कठिन कार्य था। इस ऐतिहासिक हवेली की प्रामाणिकता व स्थापत्य शैली को ध्यान में रखते हुये पारम्परिक सामान व मजदूरों के द्वारा इसका पुनर्निर्माण प्राचीन स्वरूप के अनुसार करवाया गया। 5 साल की श्रम साध्य मेहनत के पश्चात पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र को सन्तुष्टि व गर्व है कि हवेली में संग्रहालय की स्थापना की गई जिसे सम्पूर्ण विश्व के हजारों पर्यटक प्रतिवर्ष देखते हैं व प्रशंसा करते हैं।

Bagore-Ki-Haveli

In the year 1986, Government of Rajasthan handed over the historical Bagore ki Haveli to West Zone Cultural Centre to set up its headquarters.

Bagore ki Haveli is located on the Gangaur Ghat on the banks of Lake Pichola, overlooking Jag Niwas (now hotel Lake Palace) & Jag Mandir. It was built by Shri Amar Chand Badwa, who was the Prime Minister of Mewar from 1751 to 1778 during the regimes of Maharanas Pratap Singh-II, Raj Singh, Ari Singh and Hamir Singh.

After the death of Amar Chand Badwa, the edifice came under the domain of Mewar state royal family. Maharana's brother Maharaj Nath Singh occupied the Haveli and with that Bagore Thikana became a very important place in the Mewar royal family. The chief of Bagore Thikana was hereafter called Maharaj.

Whenever the royal family was left with no male heir to succeed, boys were adopted from Bagore ki Haveli to succeed the Mewar throne. Between 1828 and 1884, four Maharanas of Mewar namely, Sardar Singh, Swaroop Singh, Shambhu Singh and Sajjan Singh were adopted from Bagore Thikana who had spent their entire childhood & youth playing in the numerous chowks & corridors of Bagore ki Haveli. Maharaj Bhim Singh who succeeded Maharaj Nath Singh built the Gangaur Ghat on Lake Pichola, which became the venue of annual Gangaur Festival celebrated in Chaitra (March/April) every year. Maharana Sajjan Singh, (1874-1884) the last one to be adopted from Bagore Thikana, awarded the ownership of Bagore to his father Maharaj Shri Shakti Singh and made him chief of Bagore. In 1878, Maharaj Shakti Singh built the palace with exquisite glass inlay work on the tripolia (three arch gates) at Gangaur Ghat.

After the death of Maharaj Shakti Singh, the thikana of Bagore was resumed by the Mewar State, since there was no male descendent to succeed Bagore Thikana. Maharana Fatehsingh (1884-1930) declared Bagore ki Haveli 'Khalsa' and merged it with the state of Mewar. His successor, Maharana Bhupal Singh (1930-1955), renovated this haveli and converted into grade III Guest House, where royal guests were accommodated. After Independence, the Government of Rajasthan used the building for housing government employees. For nearly 40 years, the Haveli's condition deteriorated to a deplorable extent without any maintenance during which the damage & neglect went unchecked.

When West Zone Cultural Centre was formed in 1986, the Government of Rajasthan handed over Bagore ki Haveli to set up its office headquarters. It was a Herculean task to restore Bagore ki Haveli, which has 138 rooms, balconies, courtyards, terraces and numerous corridors. Local traditional material & skills were used to reconstruct & restore this historical building to its pristine glory, taking care to retain its authenticity & vernacular architectural style. After 5 years of strenuous efforts, it is a matter of great satisfaction & pride that WZCC has set up Bagore ki Haveli Museum, which is seen and admired by thousands of tourists from all over the world.

SHILPGRAM

Situated three kms west of Udaipur, is the pride of the Nation - "the Rural Arts and Crafts complex" better known as Shilpgram. It is a living ethnographic museum depicting the enormous diversity, architecture and life styles of the folk and tribal people of the West Zone.

The Complex set up in 130 bighas of undulating land in the lap of Aravalli Mountains comprises of 31 representative huts of the member states. These huts incorporate the traditional architectural features and design of the different ethnic groups spread out in the corners of the western part of India. The huts are built with the traditional building material brought from the concerned region and built by the same people using these houses to preserve their authenticity.

Household articles of every day use - whether terracotta or textile, wooden or metal, agricultural implements or craftsmen's tools are exhibited in these traditional huts. The objective is to provide a realistic glimpse of the people and their belongings within each hut as an organic entity.

The traditional village life to a considerable extent is self-contained and self-sufficient with a potter, carpenter, blacksmith and often a weaver living alongside one another nourishing and husbanding a series of transactions. To highlight these complex yet simple relationships, these huts are constructed in an interlocking occupational theme vested with its own internal dynamism.

उदयपुर से 3 किलोमीटर पश्चिम में भारत का गौरव ग्रामीण कला व शिल्प परिसर स्थित है जिसे शिल्पग्राम के नाम से अधिक जाना जाता है। यह पश्चिम क्षेत्र के लोक एवं जनजाति लोगों की वास्तुकला व जीवन शैली का विशाल संग्रहालय है।

यह परिसर अरावली की गोद में 130 बीघा पहाडी भूमि पर बना हुआ है जो सदस्य राज्यों की 31 झोपड़ियों का प्रतिनिधित्व करता है। इन झोपड़ियों में पश्चिमी भारत के विभिन्न क्षेत्रों में फैली मानव जातियों के रहन–सहन एवं पारम्परिक स्थापत्य शैली को यथावत प्रदर्शित किया गया है। इन झोपड़ियों की प्रामाणिकता बनाये रखने के लिये उन क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों द्वारा उसी क्षेत्र की निर्माण सामग्री लाकर इन्हें निर्मित किया गया है।

इन पारम्परिक झोपड़ियों में दैनिक जीवन में घर में काम आने वाली वस्तुएं चाहे मिट्टी की हों या टेक्सटाईल, लकड़ी की हों या धातु की, कृषि यंत्र तथा शिल्पकारों के औजार प्रदर्शित किये गये हैं। इन झोंपड़ियों को ऐसे ढंग से बनाया गया है जिससे कि लोगों के जीवन की वास्तविक झलक स्पष्ट दिखाई दे सके एवं इनका मूल अस्तित्व सुरक्षित रह सके।

इन झोंपड़ियों में पारम्परिक ग्रामीण जीवन शैली को दर्शाया गया है जहां कुम्हार, सुथार, लौहार एवं बुनकर की झोंपड़ियों को परस्पर श्रृंखला–बद्ध तरीके से बनाया गया है जिससे कि ये सभी लोग आपस में सौहार्दपूर्ण तरीके से आदान–प्रदान कर सकें । ये झोंपड़ियां एक दूसरे से सटाकर बनाने का उद्देश्य यह है कि क्रियाकलापों की सोच के आधार पर इनमें मधुर सम्बन्ध एवं गतिशीलता बनी रह सके।

सन्दर्भ पुस्तकालय

केन्द्र ने प्रदर्शनकारी कलाओं, चाक्षुष कलाओं, शिल्प, भारतीय इतिहास कला व संस्कृति साहित्य से सम्बन्धित बोधगम्य पुस्तकालय की स्थापना की। पुस्तकालय सन्दर्भ सामग्री के उपयोग के लिये खुला रहता है।

Reference Library

The Centre has established a comprehensive library on the literature of performing arts, visual arts and crafts, Indian history, art and culture. The library is open to use for reference purposes.

ग्राफिक स्टूडियो

केन्द्र ने वर्ष 1988 में लीथोग्राफी, इचिंग एवं प्रिन्टिग की सुविधाओं से युक्त ग्राफिक स्टूडियो की स्थापना की है। ग्राफिक स्टूडियो में कलाकारों को इस स्थान पर काम करने व सुविधाओं का उपयोग करने का अवसर मिलता है। स्टूडियो में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर केलीथोग्राफी शिविर सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

Graphic Studio

The Centre has established a well-equipped Graphic Studio in 1988 having facilities of Lithography, Etching and Printing. The Graphic studio intends to provide opportunities to artists to work at the campus and use the facilities. Various activities have been organised during the year including Graphic Camps at Studio.

कला वीथी

मुगलकक्ष से लगे हुये विभिन्न कक्षों एवं भूतल गलियारों को सावधानी पूर्वक पुर्ननवीनीकरण कर इन्हें आधुनिक विद्युतसज्जा से युक्त कला वीथी में परिवर्तित किया है। केन्द्र के स्वागत कक्ष के पास भंडारण क्षेत्र की लगभग 350 वर्ग फीट दीवारों में 70 से 80 चित्रों की प्रदर्शनी स्थापित की गई है। कलावीथी युवा एवं उभरते कलाकारों को प्रदर्शनी लगाने के लिए मंच प्रदान करती है।

Art Gallery - Kala Vithi

Various chambers and underground passages adjacent to the Mughal Room have been carefully restored and converted into an Art Gallery equipped with modern lighting facilities. Apart from the reception office and storage an area, the Art Gallery has nearly 350 sq.ft of running walls space to mount an exhibition of nearly 70 to 80 paintings or prints.

The Art Gallery provides a platform for the exhibitions of young & upcoming artists. The unique collections of models made of thermocol tend to astonish the visitors. The Eiffel Tower, the Taj Mahal, the Leaning Tower of Pisa, the Victory Tower of Chittorgarh, Model of Bagore ki Haveli as well as other brilliantly executed sculptures figure in the Exhibition. Madhurashtakam - a permanent exhibition of 54 paintings donated by Hungarian artist, Rozalia Hummel is displayed at the Art Gallery in Bagore ki Haveli.

प्रकाशन

सहभागी राज्यों की कला और संस्कृति की विविधताओं व विशिष्टताओं को संरक्षित करने व विकसित रखने तथा भावी पीढ़ी तक पहुंचाने में प्रकाशनों का महत्वपूर्ण योगदान है। केन्द्र द्वारा आलोच्य वर्ष में "फोक एण्ड ट्राइबल इन्सट्रमेन्ट्स'', फाइबर मूर्ति कला पर 'टेल्स ऑफ कल्चर थ्रू फाइबर' तथा 'रॉयल सागा' का प्रकाशन किया गया।

Publications

The centre published documentation based book "Folk & Tribal Instruments". WZCC also published Fiber Sculpture based "Tales of Culture through Fiber" and "Royal Saga" during the current financial year.

प्रलेखन

प्रलेखन कार्य केन्द्र की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। केन्द्र लुप्त प्रायः कला शैलियों की पहचान, संरक्षण एवं प्रलेखन के लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्र द्वारा सदस्य राज्यों की अनेक कला व शिल्प शैलियों का नियमित रूप से प्रलेखन किया जा रहा है।

Documentation

Documentation has been one of the major activities of the Centre to identify, conserve and document various art & craft forms of the region, especially those which are dying & vanishing. The major arts and crafts forms of the Zone along with names of the artists and artisans are being identified and documented regularly by the Centre. The Documentation cell has a collection of VCDs & Photo Albums of art/craft forms, publications and the programmes conducted by the Centre.

1 वेबिनार –समकालीन कला में भारतीयता का बोध, उदयपुर (26 मई, 2020)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने ''समकालीन कला में भारतीयता का बोध'' विषय पर लोगों को जोड़ते हुए वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में श्री कनू पटेल, श्री निसर्ग अहीर, श्री अभिजित व्यास, श्रीमती निरूपमा टांक व डॉ. जयेन्द्र शेखड़ीवाला वक्ताओं द्वारा विचार व्यक्त किये गये।

1. Webinar – Samkaleen Kala Mein Bhartiyata Ka Bodh, Udaipur (26th May 2020)

Centre tried to bring people together through Webinar on Samkaleena Kala Mein Bhartiyata ka Bodh. It was coordinated by Shri Kanu Patel along with the speakers Shri Nisarg Aheer, Abhijit Vyas, Nirupama Tank and Dr. Jayendra Shekhdiwala.

2. वेब लोककथा (10 जून – 25 जून, 2020)

लोककथाओं को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक मौखिक रूप से संप्रेषित किया जाता था, यही इसे लोककथा बनाता है। इतिहास को लिखा जाता है, इसे संग्रहित किया जाता है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा विभिन्न लोककलाओं पर आधारित लोककथा वृत्तचित्रों की ऑनलाईन स्क्रीनिंग की गई।

दिनांक	कला आकृति
10 जून, 2020	पुतली संसार – पपेटरी म्यूजियम
16 जून, 2020	कुचामनी खयाल
17 जून, 2020	भपंग वादन
18 जून, 2020	लावणी
23 जून, 2020	घोड़े मोडनी
24 जून, 2020	मांगणियार गायक, तुरी बारोट
25 जून, 2020	सहरिया स्वांग

2. Web Folklore (10th June – 25th June 2020)

Folklore used to be passed by word of mouth, from one generation to the next; that's what makes it folklore, as opposed to, say, history, which is written down and stored in an archive. Centre did online screening of folklore documentaries on various folk arts produced by WZCC

Date	Art Form
10th Jun'2020	Putli Sansar – Puppetry Museum
16th Jun'2020	Kuchamani Khayal
17th Jun'2020	Bhapang Vadan
18th Jun'2020	Lawani
23rd Jun'2020	Ghode Modani
24th Jun'2020	Manganiar Singers, Turri Barot
25th Jun'2020	Sahariya Swang

3. वेबिनार– अभिव्यक्ति, बड़ौदा (18 जून – 23 जून, 2020)

रंगमंच ज्ञान का एक रूप है, इसे समाज को बदलने का एक साधन भी होना चाहिए और हो भी सकता है। केन्द्र. द्वारा महाराजा संयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा तथा प्रबन्ध विकास केन्द्र के सहयोग से ''अभिव्यक्ति''– ड्रेमेटिक रीडिंग वेब थिएटर उत्सव का आयोजन किया गया। इस वेबिनार का उद्घाटन श्री पंकज भट्ट अध्यक्ष, गुजरात संगीत नाटक अकादमी द्वारा विडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से किया गया।

नाटक	भाषा	द्वारा लिखित	द्वारा निर्देशित
खिचड़ी	गुजराती	लाभशंकर ठक्कर	महेन्द्रसिंह परमार
ए फेयर अफेयर	हिंग्लिश	सनीर गरूड़	प्रितेश सोढ़ा
रंगीलो बेहराम	पारसी	पद्माश्री यजदी करणजिया	
समय न भीना वन	गुजराती	विहांग मेहता	विरल राछ
दूतवक्कचम	संस्कृत	महाकवि भास	भार्गव ठक्कर
अश्वथामा	गुजराती	धर्मवीर भारती व मधु रे	डॉ. चवन प्रमोद

3. Webinar – Abhivyakti, Baroda (18th June -23rd June 2020)

Theatre is a form of knowledge; it should and can also be a means transforming society. WZCC in collaboration with the Maharaja Sayajirio University of Baroda and Management Development Centre organized "Äbhivyakti" – Dramatic Reading Web Theatre Festival. The webinar was inaugurated by Shri Pankaj Bhatt, Chairman of Gujarat Sangeet Natak Academy via video conferencing.

Play	Language	Written By	Directed by
Khichadi	Gujarati	Labhshankar Thakar	Mahendrasinh Parmar
A Fair Affair	Hinglish	Saneer Garud	Pritesh Sodha
Rangilo Behram	Parsi	Padmashree Yazdi Karanjia	
Samay Na Bhina Van	Gujarati	Vihang Mehta	Viral Rachh
Dootvakyam	Sanskrit	Mahakavi BhasaBhasa	Bhargav Thakkar
Ashwatthama	Gujarati	Dharamvir Bharati & Madhu Rye	Dr. Chavan Pramod

4. वेबिनार– प्रदेश में रंगमंच की स्थिति (27 जून, 2020)

केन्द्र द्वारा ''प्रदेश में रंगमंच की स्थिति'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। यह जयपुर की रूचि भार्गव व अतिथि वक्ताओं श्री ईश्वर दत्त माथुर जयपुर, श्री विजय नायक गोवा, व डॉ. सतिश सालुंके महाराष्ट्र द्वारा समन्वित किया गया।

4. Webinar – Pradesh me Rangmanch ki Sthiti (27th June 2020)

WZCC hosted a webinar on "Pradesh me Rangmanch ki Sthiti". It was coordinated by Ms Ruchi Bhargava of Jaipur along with guest speakers Shri Ishwar Dutt Mathur of Jaipur, Shri Vijay Naik of Goa and Dr. Satish Salunke of Maharashtra.

5. पिछवाई पेंटिंग कार्यशाला, उदयपुर (25 जून – 4 जुलाई, 2020)

पिछवाई शब्द ''पिछ'' से आया है, जिसका अर्थ है पीछे तथा ''वाई'' जिसका अर्थ है कपड़ा लटकाना। मूल रूप से पिछवाई पेंटिंग श्रीनाथ जी (श्रीनाथ जी की हवेली), नाथद्वारा में मंदिर को सजाने के लिए उपयोग में ली जाती थी। इस पिछवाई पेंटिंग को भगवान श्री कृष्ण के जीवन में विभिन्न मौसमों व त्योहारों को मनाने के लिए देवताओं के पीछे लटका दिया जाता था। समय के साथ पिछवाई को कला के पारखी लोगों के घरों में भी उनकी दृश्य अपील के कारण जगह मिलने लगी। कई अन्य पारम्परिक भारतीय कला रूपों की तरह पिछवाई की कला भी नष्ट हो रही है और इसे मान्यता और पुनर्जीवित होने की आवश्यकता है। अतः केन्द्र ने बागोर की हवेली में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला श्री राजाराम शर्मा, उदयपुर व 10 शिल्पकारों के 19 पेंटिंग्स बनाई गई।

- भाद्रपद शुक्ल छठ
- आषाढ़ शुक्ल छठ
- श्रवन शुक्ल चतुर्थी
- आषाढ़ शुक्ल तृतिया
- भाद्रपद कृष्ण अश्ठमी
- आषाढ़ शुक्ल सप्तमी
- आषाढ़ शुक्ल एकादशी
- श्रवन शुक्ल दशमी
- फाल्गुन कृष्ण एकादशी
- फाल्गुन कृष्ण सप्तमी
- श्रावण शुक्ल तीज
- ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा
- आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा
- चेत्र कृश्ण तेरस
- अश्विन शुक्ल पूर्णिमा
- कार्तिक शुक्ल अश्ठमी
- आषाढ़ कृष्ण पंचमी
- पौश शुक्ल एकादशी
- भाद्रपद शुक्ल एकादशी

Ashadh Shukla Chhath

Aashwin Shukla Poornima

5. Pichwai Painitng Workshop, Udaipur (25th June – 4th July 2020)

The word Pichwai comes from 'pichh' meaning back, and 'wai', meaning textile hanging. Originally, pichwai paintings were used to decorate the temple of Shrinathji (Shrinathji ki Haveli) in Nathdwara, hung behind the deity to celebrate different seasons, festivals and events in Lord Krishna's life.

Over time, pichwais also found a place in the homes of art connoisseurs, owing to their visual appeal. Like several other traditional Indian art forms, the art of Pichwai is also dying, and requires recognition and revival. So WZCC organized the workshop at Bagore ki Haveli. It was coordinated by Shri Rajaram Sharma of Udaipur along with 10 artists participated and made 19 paintings.

- Bhadrapad Shukla Chhath
- Ashadh Shukla Chhath
- Shravan Shukla Chaturthi
- Ashadh Shukla Tritiya
- Bhadrapada Krishna Ashtam
- Ashadh Shukla Saptami
- Ashadh Shukla Ekadashi
- Shravan Shukla Dashmi
- Falgun Krishna Ekadashi
- Falgun Krishna Saptami
- Shravan Shukla Teej
- Jyesht Shukla Poornima
- Ashadh Shukla Poornima
- Chaitra Krishna Teras
- Aashwin Shukla Poornima
- Kartik Shukla Ashtami
- Ashadh Krishna Panchami
- Paush Shukla Ekadashi
- Bhadrapad Shukla Ekadashi

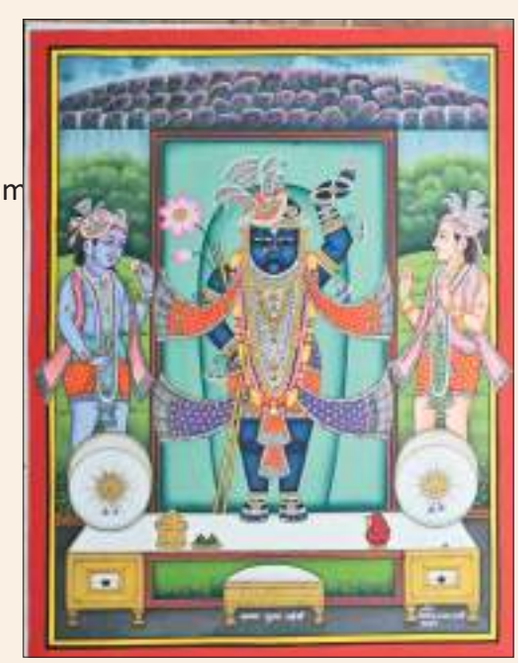

Shravan Shukla Chaturthi

Chaitra Krishna Teras

1. वृक्षारोपण कार्यक्रम, उदयपुर (3 जुलाई, 2020)

वृक्षारोपण हम सभी के लिए पृथ्वी का प्राकृतिक एयर कंडीशनर है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक प्रभारी व स्टॉफ द्वारा संकल्प पर्व अभियान के अवसर पर दिनांक 28 जून से 12 जुलाई, 2020 तक शिल्पग्राम, उदयपुर में वृक्ष लगाये गए। वृक्षारोपण का यह कार्यक्रम हमारे पर्यावरण को साफ–सुथरा व स्वस्थ रखने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था। माननीय डॉ. बी.डी.कल्ला, कला व संस्कृति मंत्री, राजस्थान सरकार द्वारा दिनांक 8 जुलाई, 2020 को केन्द्र की कार्यक्रम समिति की बैठक की अध्यक्षता के दौरान संकल्प पर्व अभियान के तहत शिल्पग्राम, उदयपुर में ''बिल्व'' पौधा लगाया गया।

1. Plantation programme at Shilpgram, Udaipur (3rd July 2020)

Plantation can be the earth's natural air conditioners for all of us. Likewise Director Incharge and staff of WZCC planted trees in Shilpgram of Udaipur on the occasion of Sankalp Parva Campaign, initiated by Ministry of Culture Govt. of India, from 28th June to 12th July, 2020 to make our environment clean & healthy. Hon'ble Minister for Art & Culture Govt. of Rajasthan, Dr. B. D. Kalla, planted "Bilva" plant at Shilpgram, Udaipur on 8th July'20 during his visit to Udaipur to chair the Programme Committee Meeting of WZCC as a part of Sankap Parva Campaign.

2. वेब लोककथा

लोककथाओं को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक मौखिक रूप से संप्रेषित किया जाता था, यही इसे लोककथा बनाता है। इतिहास को लिखा जाता है, इसे संग्रहित किया जाता है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा विभिन्न लोककलाओं पर आधारित लोककथा वृत्तचित्रों की ऑनलाईन स्क्रीनिंग की गई।

दिनांक	कला आकृति
28 जुलाई, 2020	डांगी नृत्य
29 जुलाई, 2020	समई नृत्य
30 जुलाई, 2020	सिद्दी धमल
31 जुलाई, 2020	लोक और आदिवासी वाद्ययंत्रों पर वृत्तचित्र
5 अगस्त, 2020	कोली नृत्य
6 अगस्त, 2020	मलखम्भ
7 अगस्त, 2020	पोवाड़ा नृत्य
15 फरवरी, 2021	मोइनुद्दीन द्वारा सारंगी वादन

2. Web Folklore

Folklore used to be passed by word of mouth, from one generation to the next; that's what makes it folklore, as opposed to, say, history, which is written down and stored in an archive. Centre did online screening of folklore documentaries on various folk arts produced by WZCC.

Date	Art Form
28th July 2020	Daangi Dance
29th July 2020	Samai Dance
30th July 2020	Siddhi Dhamal
31st July 2020	Documentary on Folk & Tribal Instruments
5th August 2020	Koli Dance
6th August 2020	Malkhambh
7th August 2020	Powada Dance
15th Febraury 2021	Sarangi Wadan byy Moinuddin

3. कार्यक्रम समिति की बैठक (8 जुलाई, 2020)

कल्पना की शक्ति हमें अलग व अविश्वसनीय बनाती है। केन्द्र की कार्यक्रम समिति की बैठक उदयपुर में माननीय डॉ. बी.डी.कल्ला, कला व संस्कृति मंत्री राजस्थान सरकार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में वार्षिक योजना 2020–21 पर विचार कर इसे स्वीकृत किया गया।

3. Programme Committee Meeting (8th July 2020)

The power of imagination makes us different and incredible. A meeting of the Programme Committee of the Centre was held at Udaipur under the chairmanship of Dr. B. D. Kalla, Hon'ble Minister for Art & Culture, Govt. of Rajasthan wherein the Annual Plan 2020-21 was considered and approved.

4. स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन (16 अगस्त, 2020)

स्वतंत्रता के लिए हजारों लोगों ने अपनी जान की कुर्बानी दी थी इसी कारण आज हमारा देश सांस ले पा रहा है, हम कभी–भी उनके बलिदान को न भूलें। संस्कृति मंत्रालय के निर्देशन में केन्द्र ने सोशल मीडिया अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस को चिन्हित करने के लिए 16.08.2020 को निम्नलिखित गतिविधियों / कार्यक्रमों की स्क्रीनिंग की:–

– केन्द्र. द्वारा जलियांवाला बाग नाटक का मंचन किया।
– प्रख्यात कवि द्वारा देशभक्ति कविताओं पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया यथा– राव अजातशत्रु उदयपुर, अशोक चारण जयपुर, सुश्री अकरा आर्य अलीगढ़, शशिकांत यादव, देवास
– राजस्थान, गुजरात व महाराष्ट्र के प्रसिद्ध लोक कलाकारों द्वारा बहुभाशी देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति
– शाहिर देवानंद माली, सांगली – मराठी में छत्रपति शिवाजी महाराज व शहीद भगत सिंह के पोवाड़ा
– श्री मुरूभाई बरोत, पोरबंदर – गुजराती में छत्रपति शिवाजी महाराज के पोवड़ा
– श्री लक्ष्मण द्वारका, मेड़ता रोड़, नागौर, राजस्थान – राजस्थानी में महाराणा प्रताप के पोवड़ा

4. Independence Day Celebration (16th August 2020)

Thousand laid down their lives so that our country is breathing this day, never forget their sacrifice. As per direction of the Ministry of Culture, Centre has screened following activities/programmes for social media campaign to mark the Independence Day on 16th August'20.

- Play Jalianwala Bagh produced by WZCC
- Kavi Sammelan on Patriotic Poems by emient Kavi, i.e, Rav Ajatshatru, Udaipur; Ashok Charan, Jaipur; Ms. Akra Arya, Aligarh; Shri Shashikant Yadav,Devas
- Multilingual Patriotic songs by eminent folk artists from Rajasthan, Gujarat and Maharashtra:
- Shahir Devanand Mali, Sangli – Powadas of Chatrapati Shivaji Maharaj and Saheed Bhagat Singh in Marathi
- Shri Murubhai Barot, Porbandar – Powadas of Chhatrapati Shivaji in Gujarati
- Shri Laxman Dwarka of Merta Road, Nagore, Rajasthan- Powada on Maharana Pratap in Rajasthani.

5. यात्रा पश्चिमालाप, अलवर व सांगली
(18 – 22 अगस्त, 2020 व 19 – 22 सितम्बर, 2020 व 11– 13 फरवरी, 2021 व 22 – 24 मार्च, 2021)

केन्द्र द्वारा आयोजित पश्चिमालाप एक ग्राम्य स्तर का सांस्कृतिक कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम के पीछे का उद्देश्य लोगों को अन्य राज्यों की विविध सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराना और भाग लेने वाले कलाकारों और स्थानीय लोगों के बीच सांस्कृतिक सामन्वय और आकर्षण को बढ़ाना है। प.क्षे.सां.केन्द्र ने 18–22 अगस्त, 2020 तक यात्रा पश्चिमालाप कार्यक्रम के तहत लोक कला के रूपों का ध्वन्यांकन करके राजस्थान के अलवर जिले के 13 तालुकाओं कवर किया। इसके साथ ही डब्ल्यू.जेड.सी.सी. ने महाराष्ट्र के सांगली जिले की 12 तहसीलों के 102 लोक कलाकारों द्वारा सचित्रीकरण प्रदर्शन के द्वारा कवर किया गया। 19 से 22 सितम्बर, 2020 तथा 11 से 13 फरवरी, 2021 तक भावनगर, में हुडो, रास, गरबा, लोक संगीत, टिप्पणी, लोक भजन व डांडिया की प्रस्तुति के सथ यात्रा पश्चिमालाप आयोजित किया गया। इसके तहत मार्च माह में गोवा में लेम्प डांस, कुणबी, जागर, वीरभद्र धालो, गोफ, देखणी व कलशी फुगडी जैसी प्रस्तुतियों के साथ ऑनलाईन स्क्रीन किया गया।

5. Yatra Paschimalap, Alwar & Sangli (18th – 22nd August 2020 & 19th – 22nd September 2020 & 11th – 13th Febraury 2021 & 22nd – 24th March 2021)

Paschimalap was a grass root level cultural programme organized by WZCC. The objective behind this programme is to make people aware of the diverse cultural heritage of other states and enthuse cultural coordination and interaction among the participating artists and the local people.

WZCC covered 13 talukas of Alwar districts of Rajasthan by documenting the folk-art forms from 18th to 22nd August'20 under Yatra – Paschimalap programme. Along with that WZCC also covered 12 Tehsils for Sangli districts of Maharashtra by documenting/performance by 102 folk artists.

From 19th to 22nd September'20 and from 11th – 13th February 2021 Yatra paschimalpa organized in Bhavnagar with following performances Hudo, Raas, Garba, Lok Sangeet, Tippani, Lok Bhajan & dandiya. In the month of March Yatra Paschimalap organized in Goa along with the performances such as Lamp dance, Kunbi, Zagor, Veerbhat, Dhalo, Goff, Dekhni and Kalsi Fugadi which screened online.

6. वेब थिएटर फेस्टीवल (27–30 अगस्त, 2020)

महान रंगमंच हमारे सोचने के तरीके को चुनौती देने और हमें उस दुनिया के बारे में कल्पना करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु है, जिसकी हम आकांक्षा करते है। डब्ल्यू.जेड.सी.सी. द्वारा वेब थिएटर फेस्टीवल का चार दिनों के लिए आयोजन किया गया। इसमें नाटकों का ऑनलाईन प्रसारण किया गया।

दिनांक	नाटक	निर्देशक
27 अगस्त, 2020	ये पुरूष	श्री राजेन्द्र सिंह पायल, साक्षी थियेटर, जयपुर
28 अगस्त, 2020	श्री पंचमी का सुगुन	सुश्री प्रिता माथुर भार्गव ठाकुर मुम्बई
29 अगस्त, 2020	यात्रा	श्री शेश देशपांडे, अभिव्यकित गोवा
30 अगस्त, 2020	पुरानी प्रेम कहानी	श्री जिगर राणा, अर्यम, फाउण्डेशन, गांधीनगर, गुजरात
1 फरवरी, 2020	कहानी वहीं बात नई	मालविका जोशी
3 फरवरी, 2020	ऑइल पेस्टोल ऑन केनवास	तिर्थंकर बिस्वास
5 फरवरी, 2020	गजल व नज्म गायकी	डॉ प्रेम भण्डारी
12 फरवरी, 2020	कथक नृत्यांगम	रेखा ठक्कर

7. Web Theatre Festival (27th – 30th August 2020)

Great theatre is about challenging how we think and encouraging us to fantasize about a world we aspire to. WZCC organized Web Theatre Festival for four days and plays were webcast online.

Date	Play	Director
27th August 2020	Yeh Purush	Shri Rajendra Singh Payal, Sakshi theatre, Jaipur.
28th August 2020	Sirpanchami ka Sagun	Ms Preeta Mathur Bhargav Thakur, Mumbai.
29th August 2020	Yatra	Shri Saish Deshpande, Abhivyaktee, Goa.
30th August 2020	Purani Prem Kahani	Shri Jigar Rana, Arenyam Foundation, Gandhinagar, Gujarat.
1st Februry 2021	Kahani Wahi Bat Nayi	Malvika Joshi
3rd February 2021	Oil Pestol on Canvas	Tirthankar Biswas
5th Febrary 2021	Ghazal and nazm Gayaki	Dr. Prem Bhandari
12th Febrary 2021	Kathak Nrityangama	Rekha Thakkar

7. गणेश उत्सव, महाराष्ट्र

गणेश चतुर्थी, जिसे विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है, यह एक शुभ हिन्दु उत्सव है जो कि प्रतिवर्ष 10 दिनों के लिए मनाया जाता है। हिन्दु कलेण्डर के अनुसार भाद्र महीने में इस उत्सव को मनाया जाता है। जो कि सामान्यतयाः अगस्त से सितम्बर के मध्य मे आता है। यह हाथी के सिर वाले प्रिय भगवान गणेश के जन्म दिन का प्रतीक है। केन्द्र ने गोंधल, वाग्या, मुरली और महाराष्ट्र का धनगरी गजा का ऑनलाईन प्रदर्शन किया जिसमें पिम्परी, चिंचवड़ साइंस पार्क और सिम्बोसिस विश्वविद्यालय, किवाले महाराष्ट्र के सहयोग से गणेश उत्सव का आयोजन किय गया।

7. Ganesh Festival, Maharashtra

Ganesh Chaturthi, also called Vinayaka Chavithi, is an auspicious Hindu festival which is celebrated for 10 days every year. The festival is celebrated in the Bhadra month as per the Hindu calendar which generally falls in mid-August to September. It marks the birthday of the beloved elephant-headed Lord Ganesha. WZCC organised online performances of Gondhal, Vaghya Murli and Dhangari Gaja of Maharashtra celebrating Ganesh Utsav in collaboration with Pimpri Chinchwad Science Park and Symbiosis University, Kiwale, Maharashtra

8. मल्हार – शास्त्रीय नृत्य व संगीत कार्यकम, उदयपुर (11 – 13 सितम्बर, 2020)

भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य केवल मनोरंजन के लिए नहीं है, वे आपकी चेतना को ऊँचा करने के लिए तैयार किए गए है। केन्द्र ने शास्त्रीय नृत्य व संगीत कार्यक्रम–मल्हार का दर्पण ऑडिटोरियम, शिल्पग्राम, उदयपुर में दिनांक 11 से 13 सितम्बर तक आयोजन किया ताकि जनता के बीच भारतीय शास्त्रीय कला का प्रचार–प्रसार हो सके। श्री मोहम्मद अमन, जयपुर द्वारा शास्त्रीय गायन, श्री संजीव शंकर, दिल्ली द्वारा शहनाई वादन तथा डॉ. पल्लवी शर्मा, उदयपुर द्वारा ऑडिसी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। उदयपुर में इस कार्यक्रम को रिकॉर्ड किया गया इसके बाद इसे वेबसाइट, यूट्यूब, फेसबुक, ट्वीटर पर अपलोड किया गया।

8. Malhaar: Classical Dance & Music Programme, Udaipur (11th – 13th September 2020)

Indian classical music and dance are not just for entertainment they are designed to elevate your consciousness. WZCC organized a Classical Dance & Music Programme - Malhaar at Darpan Auditorium, Shilpgram, Udaipur from 11th September to 13th September'20 to disseminate Indian classical arts among the masses. Classical Vocal was presented by Shri Mohammad Aman from Jaipur; Sehnai Vadan by Shri Sanjeev Shanker from Delhi and Odissi Dance by Dr. Pallavi Sharma from Udaipur. The Malhaar programme was recorded at Udaipur and then uploaded on website, Youtube, Facebook & Twitter.

9. संविधान गीत– महाराष्ट्र (17 सितम्बर, 2020)

''भारतीय संविधान गीत'' की रिकॉर्डिग श्री कुणाल वराले, औरंगाबाद (महाराष्ट्र) द्वारा की गई तथा इसे वेबसाइट, यूट्यूब, फेसबुक व ट्वीटर पर अपलोड किया गया।

9. Sanvidhan Geet, Maharashtra (17th September 2020)

The recording of "Bhartiya Sanvidhan Geet" was done by Shri Kunal Varale of Aurangabad (Maharashtra) and uploaded on website, Youtube, Facebook & Twitter.

10. टप्पा गायन– हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत, उदयपुर (19 सितम्बर, 2020)

टप्पा भारतीय अर्द्ध–शास्त्रीय स्वर संगीत का एक रूप है। इसकी विशेषता तेज, सूक्ष्म और कठिन निर्माण पर आधारित है। इसकी धुन मधुर है और एक संगीत प्रेमी के भावनात्मक विस्फोटों को दर्शाती है। टप्पे ज्यादातर शाही दरवाजों में, बेगी के रूप में जाने जाने वाले गीतकारों द्वारा गाए जाते थे। यह माना जाता है कि टप्पा पंजाब व सिंध के लोक संगीत से उत्पन्न हआ था। केन्द्र ने ''टप्पा गायन'' – हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की ऑनलाईन स्क्रीनिंग की गइ।। यह कार्यक्रम श्री ज्योति पाण्डे, उदयपुर द्वारा प्रस्तुत किया गया।

10. Tappa Gayan: Hindustani Classical Music, Udaipur (19th September 2020)

Tappa is a form of indian semi classical vocal music. Its specialty is a rolling pace based on fast, subtle and knotty construction. Its tunes are melodious and sweet, and depict the emotional outbursts of a lover. Tappe (plural) were sung mostly by songstresses, known as baigees, in royal courts. It is believed that Tappa was derived from folk music of Punjab and Sindh. The Centre was screened online "Tappa Gayan" - Hindustani Classical Music presented by Shri Jyoti Pandey of Udaipur.

11. हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर रंगमंच गतिविधि (22 – 24 सितम्बर, 2020)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक द्वारा हिंदी पखवाड़ा के दौरान ऑनलाईन ''एकल नाट्य समारोह'' का आयोजन किया गया तथा तीन नाटकों को यू–ट्यूब पर प्रसारण किया गया।

1. ''रसप्रिया राससंग'' श्री मलय मिश्रा, झारखंड द्वारा अभिनित व निर्देशित।
2. ''संक्रमण'' श्री मनोहर तेली, मुम्बई द्वारा अभिनित व निर्देशित।
3. ''बडे भाईसाब'' श्री मुजिब खान, मुम्बई द्वारा अभिनित व निर्देशित।

11. Theatre Activity on the Occasion of Hindi Pakhwada (22nd – 24th September 2020)

WZCC organized by **"Ekal Natya Samaroh"** during Hindi Pakhwada online and three solo plays screened on youtube.
(i) "Raspiriya Rassang" (Actor & Directed by Shri Malay Mishra of Jharkhand
(ii) "Sankarman" Actor & Directed by Shri Manohar Teli of Mumbai
(iii) "Bade Bhaisaab" Actor & Directed by Shri Mujeeb Khan of Mumbai

12. ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' पर ऑनलाईन कार्यक्रम (25 – 26 सितम्बर, 2020)

''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के विषय पर यह कार्यक्रम ऑनलाईन आयोजित किया गया था। जिसमें पूरे भारत से 107 कलाकारों ने सहभागिता की। छत्तीसगढ़ से पंथी नृत्य असम के कलाकारों द्वारा वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति, गुजरात से कुनबी रास, राजस्थान से कालबेलिया नृत्य, महाराष्ट्र से लावणी नृत्य तथा ऑडिसा से गोटीपुआ नृत्यों की स्क्रीन प्रस्तुति दी गई।

12. Online programme on Ek Bharat Shreshtha Bharat (25th – 26th September2020)

The programme on the theme of "Ek-Bharat-Shreshtha-Bharat" was held online wherein a contingent of 107 artists from all over India participated. The performances screened were Panthi Dance from Chattisgarh; Instrumental performance by the artists from Assam; Kunbi Raas from Gujarat; Kalbelia Dance from Rajasthan; Lavani Dance from Maharashtra, Kharsa Dance from Jharkhand; Samai Dance from Goa and Gotipua from Odissa.

13. महात्मा गांधी की 150वीं जयंती (2 अक्टूबर, 2020)

महात्मा गांधी के विचार,–'' हमें अपने आप को वैसा ही परिलक्षित करना चाहिए जैसा कि हम दुनिया को देखना चाहते है।'' केन्द्र इस पर विश्वास करते हुए महात्मा गांधी के जन्म वर्षगांठ के समापन समारोह पर कलाविथि, बागोर की हवेली, उदयपुर में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसके साथ ही श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव, मुम्बई द्वारा भजन गायन किया गया तथा ऑनलाईन गुजराती ड्रामा ''परिवर्तन की आंधी'' का मंचन किया जो गुजरात के श्री हेमंत खरसानी द्वारा निर्देशित किया गया।

13. 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi, Udaipur (2nd October 2020)

Mahatma Gandhi quoted "You must be the change you wish to see in the world". WZCC is strongly believe in it and organized exhibition on Birth Anniversary of Mahatma Gandhi closing ceremony at Kala Vithi of Bagore ki Haveli, Udaipur. Along with that Bhajan recital by Shri Om Prakash Shrivastav of Mumbai and staged online Gujarati Drama "Parivartan ni Aandhi Yuva Gandhi" Directed by Shri Hemant Kharsani of Gujarat.

14. कत्थक नृत्य कार्यक्रम (13 अक्टूबर , 2020)

नृत्य किसी जादुई कहानी के वर्णन के रूप में होता है, जो कि होठों पर सुनाई देती है जो कल्पनाओं को रोशन करती है, जो आत्मा की पवित्र गहराई को गले लगाता है। श्री देवेन्द्र एस. मंगलमुखी द्वारा कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

14. Kathak Dance Programme (13th October 2020)

Dance as the narration of a magical story; that recites on lips, illuminates imaginations and embraces the most sacred depths of souls. Virtual Kathak Dance programme presented by Devendra S Mangalmukhi.

15.''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' पर ऑनलाईन कार्यक्रम (13 – 15 अक्टूबर , 2020)

अनेकता में एकता ही भारत की ताकत है। हर भारतीय में एक सादगी है जो हमारी ताकत है। केन्द्र ने ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' विषय पर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के सहयोग से ऑनलाईन कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रो. राजीव शाह द्वारा सितार वादन, प्रो. लावण्य कीर्ति द्वारा खयाल गायन, पं. देवाशीश द्वारा ठुमरी गायन, गीतांजली लाल द्वारा कथक प्रतिपदान, विशुशी अनुराधा पाल द्वारा तबला गायन व डॉ. शाहवती मण्डल द्वारा टप्पा कायन की कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई।

15. Online Programme on "Ek Bharat Shreshtha Bharat" (13th – 15th October 2020)

Unity in diversity is India's strength. There is simplicity in every Indian which is our strength. WZCC organized online programme on the theme of Ek Bharat Shreshtha Bharat in collaboration with Rajasthan University of Jaipur. The artist participated were Sitar Vadan by Prof. Rajiv Shah, Khyal Gayan by Prof. Lavanya Kirti, Thumari Gayak by Pt. Devaashish De, Kathak Exponunt by Geetanjali Lal, Tabla Gayan by Vishushi Anuradha Pal and Tappa Gayan by Dr. Shahwati Mandal.

16. विशेष शासी निकाय की बैठक (19 अक्टूबर , 2020)

बैठक एक ऐसा प्रसंग है जिसमें कार्यवृत्त रखे जाते है और जिसमें समय लगता है। वर्चुअल विशेष शासी निकाय की बैठक माननीय राज्यपाल, राजस्थान व अध्यक्ष, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

16. Special Governing Body Meeting (19th October 2020)

A meeting is an event at which the minutes are kept and the hours are lost. Vertual Special Governing body meeting held was chaired by Hon'ble Governor of Rajasthan and Chairman of WZCC.

17. ऑनलाईन गरबा महोत्सव (28 – 30 अक्टूबर , 2020)

नवरात्रि अर्थात ''नौ रातें'', यह एक हिंदु उत्सव है जो भारत के विभिन्न भागों में काफी लोकप्रिय है व विस्तृत रूप से मनाया जाता है। गुजरात एक ऐसा राज्य है जहां नौ रातों तक नृत्य का आयोजन बड़े ही उत्साह से किया जाता है। इस उत्सव के दौरान किया गया नृत्य रास गरबा (डांडिया, छोटी लकडी की स्टिक) के रूप में जाना जाता है, जो देवी की पूजा के बजाय भगवान कृष्ण की पूजा से आया है। यह सौराष्ट्र व कच्छ के गोप संस्कृति से आया है। प्रत्येक रात्रि को पूरे राज्य में गांवों व शहरों में लोग स्त्री देवत्य शक्ति को मनाने के लिए खुली जगहों में एकत्रित होते है। केन्द्र द्वारा ऑनलाईन गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न शहरों जैसे अहमदाबाद, राजकोट, गांधीनगर, पोरबंदर, आणन्द व भावनगर के 212 कलाकारों ने भाग लिया।

17. Online Garba Mahotsav (28th – 30th October 2020)

Navratri, meaning 'nine nights', is one of the most popular and widely celebrated Hindu festivals in many parts of India. Gujarat, however, is the only state that erupts into a nine-night dance festival, The dance form known as ras garba (also joined sometimes by dandiya, which uses small wooden sticks), comes from Lord Krishna's worship rather than Goddess worship, from the Gop culture of Saurashtra and Kutch. Each night, all over the state, villages and cities alike, people gather in open spaces to celebrate feminine divinity, referred to as Shakti. WZCC organized Online garba Mahotsav in which 212 artists participated in different cities like Ahmedabad, Rajkot, Gandhi nagar, Jamnagar, Porbander, Anand and Bhavnagar.

18. बाल नाट्य लेखन शिविर (24 – 30 अक्टूबर , 2020)

कोई रसायनज्ञ सीसे को सोने में नहीं बदलते बल्कि दुनिया को शब्दों में बदल देते है। केन्द्र ने मुम्बई में बाल नाट्य शिविर का निदेशालय सांस्कृतिक मामले, महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से आयोजन किया। इस शिविर में लेखक बच्चों ने भाग लिया साथ ही 141 लोगों ने ऑनलाईन भाग लिया।

18.Bal Natya Lekhan Shivir (24th – 30th October 2020)

The true alchemists do not change lead into gold but they change the world into words. WZCC organized Bal Natya Lekhan Shivir in Mumbai in collobration with Directorate of Cultural affairs Govt. of Maharashtra. In this shivir 26 children writers participated along with 141 people joined online.

19. गुरू शिष्य परम्परा (1 नवम्बर, 2020)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र यह विश्वास करता है कि साधारण प्रतिभा व असाधारण दृढ़ता के साथ सभी कार्य पूर्ण किए जा सकते है। इसमें लुप्त हो रही कला रूपों को चाहे वो शास्त्रीय, लोक व आदिवासी हो संरक्षित करने में मदद करती है। इस कार्यक्रम में युवा प्रतिभाएं, विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में चुने गए क्षेत्र के तहत कौशल हासिल करती है। इस योजना के तहत जथ गायन गुरू शिष्य परम्परा कला व संस्कृति निदेशालय, गोवा सरकार के सहयोग से आरम्भ की गई है।

19. Guru Shishya Parampara (1st November 2020)

WZCC believes that with ordinary talent and extraordinary perseverance all things are attainable which also help to preserve the rare and vanishing art forms either its classical, folk or tribal. In this programme the young talents acquire the skills under the chosen filed in the guidance of experts. Jat Gayan Guru Shishya Parampara started in collaboration with Directorate Art and Culture, Govt. of Goa under the scheme of Guru Shishya Parampara.

20. अखिल भारतीय मांड समारोह, बीकानेर (3 नवम्बर, 2020)

मांड एक उत्साही राग है, जो राजस्थान में गायन की एक लोकप्रिय शैली है। यह ठुमरी और गजल के समान है। यह श्रोता और कलाकार दोनों के लिए समान रूप से आनंददायक है। यह उत्साह और गर्मजोशी के साथ रोमांस के मूड को सामने लाता है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने श्री हजारी लाल चुई, नागौर राजस्थान को अखिल भारतीय मांड समारोह बीकानेर में आयोजित करने के लिए प्रायोजित किया। अल्लाहजिलाही बाई मांड गायकी प्रशिक्षण संस्थान, बीकानेर द्वारा ऑनलाईन आयोजित किया।

20. All India Maand Samaroh, Bikaner (3rd November 2020)

Maand is a feisty raga, popular style of singing in Rajasthan. It is similar to the thumri and the ghazal. It is delightful to listener and performer alike. It brings forth the mood of romance, combined with cheer and warmth. WZCC sponsored Shri Hajari lal chui of Nagaur, Rajasthan to perform in All India Maand Samaroh in Bikaner organised online by Allah Jillahi Bai Maand Gayki Prashikshan Sansthan of Bikaner.

21. दीवाली आध्यामिक कार्यक्रम– भक्ति संगीत सरिता (15 नवम्बर, 2020)

दीवाली के त्यौहार का गहरा आध्यामिक अर्थ है। वास्तव में इसका अर्थ आंतरिक प्रकाश की जागरूकता से है। एक तरह से ये आंतरिक प्रकाश के जागरण और जागरूकता का उत्सव है जिसमें अंधेरे को दूर करने और जीवन में सभी बाधाओं को दूर करने की शक्ति है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने संस्कृति निदेशालय महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से दीवाली आध्यात्मिक प्रदर्शन–भक्ति संगीत सरिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले गायक कलाकर थे– सोनाली कार्णिक, अनिरूद्ध जोशी, नचिकेत देसाई, धन श्री देशपाण्डे व स्मिता गांवकर। इनके साथ में राजेश चाकरदेव, संतोष देवेकर, संदीप कुलकर्णी, अमित गोठिवडेकर, संदीप मिस्त्री, सचिन सावंत, प्रसाद महाडकर, सुभांगी खानविलकर। इस कार्यक्रम का प्रसारण सहयाद्री मराठी दूरदर्शन चैनल पर भी प्रसारित किया गया था।

21. Diwali Spiritual Performance – Bhakti Sangeet Sarita (15th November 2020)

The festival of Diwali has a deep spiritual meaning, it essentially means the Awareness of the Inner Light. In a way it is the celebration of the awakening and awareness of the Inner Light which has the power to outshine darkness and clear all obstacles in life. WZCC organized Diwali spiritual performances - Bhakti Sangeet Sarita in collaboration with Directorate of Culture Affairs Govt. of Maharashtra. Singers participated were Sonali Karnik, Anirudh Joshi, Nachiket Desai, Dhanshri Deshpandey and Smita Gawankar acompanished Rajesh Chakrdeo, Santosh Divekar, Sandip Kulkarni, Amit Gothivdekar, Sandip Mestri, Sachin Savant, Prasad Mahadkar, Subhangi Khanvilkar. The event was also telecasted on Sahyadri, Marathi Doordarshan Channel

22. आडावल राजस्थानी साहित्य महोत्सव, उदयपुर (20–22 सितम्बर, 2020)

राजस्थानियों का साहित्य, राजस्थान राज्य में रहने वाले भारत के लोग एक समृद्ध राजस्थानी लोकगीत है, जिसमें लोक गाथा गीत, किवंदतियां गीत और कहानियां शामिल है। कुछ राजस्थानी साहित्यक रचनाएं भारत में कई राश्ट्रीय साहित्य की सामान्य सम्पत्ति बन गई है। उदयपुर में आडावल राजस्थानी साहित्य महोत्सव का आयोजन किया गया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने इस अवसर पर राजस्थानी लोक नृत्य, राजस्थानी लोक संगीत जैसे प्रदर्शनों को प्रायोजित किया और राजस्थानी चित्रकला पर एक वेबीनार भी आयोजित किया।

22. Adawal Rajasthani Sahitya Mahotsav, Udaipur (20th – 22nd September 2020)

The literature of the Rajasthanis, a people of India inhabiting the state of Rajasthan.There is a rich Rajasthani folklore, which includes folk ballads, legends, songs, and tales. Some Rajasthani literary works have become the common property of a number of national literatures in India. Aadawal Rajasthani Sahitya Mahotsav was organized in Udaipur. On this occasion WZCC sponsored the performances like Rajasthani Lok Nritya, Rajasthani Lok Sangeet and also conducted a webinar on Rajasthani Chitrakala.

23. सारंगी वादन व व्याखान का ऑनलाईन प्रदर्शन (21 नवम्बर, 2020)

सारंगी जिसे सारंगा भी कहा जाता है, छोटी घुमावदार गर्दन व तार वाद्य यंत्र विशेष रूप से लोक और शास्त्रीय हिन्दुस्तानी संगीत के लिए उपयोग किया जाता है। सारंगी का नाम भगवान विष्णु के धनुष से पड़ा है और संभवतः धनुष के साथ बजाए जाने के कारण इसे सारंगी नाम दिया गया है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने ऑनलाईन सारंगी वादन व व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें जयपुर के अमीरूद्दीन ने सारंगी बजाया व इस पर व्याखन दिया।

23. Online Sarangi vadan & Vyakhyan (21st November 2020)

Sarangi, also called saranga, short-necked fiddle string instrument used throughout particularly for folk and classical Hindustani Music. Sarangi derives its name from the bow of lord Vishnu and probably as it is played with a bow it is named as sarangi. WZCC organized online Sarangi Vadan & Vyakhyan in which Shri Amiruddin of Jaipur played Sarangi and delivered lecture on Instrument Sarangi.

24. संविधान दिवस (26 नवम्बर, 2020)

हमारा संविधान आशा की एक किरण है, जिसमें सद्भाव, अवसर, लोगों की भागीदारी और समानता शामिल है। केन्द्र के स्टॉफ के साथ संविधान–दिवस मनाया गया इसकी प्रस्तावना का पठन किया गया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के सदस्य राज्यों के लोक और आदिवासी कलाकारों के लिए ऑनलाईन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के पोव ड़ा, गोवा के समई नृत्य, राजस्थान के आंगी गैर और गुजरात के मेवासी आदिवासी नृत्य का प्रदर्शन किया गया।

24. Samvidhan Diwas (26th November 2020)

Our constitution is a ray of hope which consists harmony, opportunity, people's participation and equality. Celebrated Samvidhan diwas with the staff of the centre observed preamble reading and organized online programmes of folk and tribal artists of member state of WZCC. POVADA from Maharashtra, SAMAI Dance from Goa, AANGI GAIR from rajasthan and MEWASI Tribal Dance from Gujarat performed in the above programme.

25. ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के तहत कार्यक्रम (14 – 15 दिसम्बर, 2020)

लोक संगीत और नृत्य कला का इतना हिस्सा नहीं है, जितना की यह एक प्रक्रिया एक दृष्टिकोण और जीवन का एक तरीका है। यह उन विशेषताओं को अलग करता है। जो स्वंय गीतों के भीतर नहीं है बल्कि उन गीतों के लोक संस्कृति के साथ संबंधों में है। केन्द्र के जोड़ीदार राज्यों के लोक और आदिवासी प्रदर्शनों को रिकॉर्ड किया गया और यूट्यूब पर ऑनलाईन प्रसारण किया गया ।

25. Programme under Ek Bharat Shrestha Bharat (14th – 15th December 2020)

Folk music and dance are not so much a body of art as it is a process, an attitude, and a way of life; it distinguishes features lie not within the songs themselves, but in the relations of those songs to a folk culture. The folk and tribal performances of the pairing states of the Centre has been recorded and was online webcasted on youtube.

राज्य	कला के रूप
छततीसगढ़	पंडवानी गायन
झारखण्ड	छाऊ
असम	भोरताल
महाराश्ट्र	रोप मलखम्भ
ऑडिसा	संभलपुरी त्रिबल नृत्य
गोवा	गाफ
राजस्थान	तेराताल
गुजरात	राठवा जनजाति होली नृत्य

State	Artforms
Chhattisgarh	Pandawani Gayan
Jharkhand	Chhau
Assam	Bhortal
Maharashtra	Rope malkham
Oddissa	Sambalpuri Tribal Dance
Goa	Gauf
Rajasthan	Teratal
Gujarat	Rathwa Tribal Holi Dance

26 गोंधल महोत्सव (16 – 18 दिसम्बर, 2020)

गोंधल को मराठी लोक कला के रूप में जाना जाता है। गोंधल प्रदर्शन भवानी मल्लारी, खंडोबा (शिव की अभिव्यक्ति) महालक्ष्मी की पूजा के दौरान और नवरात्रि के दौरान भी होता है। इसके अलावा देशस्थ ब्राह्मणों और मराठों के बीच विवाह और पालना समारोह में गोंधल अनिवार्य था। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने ऑनलाईन गोंधल महोत्सव का आयोजन किया जिसमें शिक्षाविद् डॉ. प्रकाश खांडगे द्वारा महाराष्ट्र की गोंधल परम्परा पर व्याख्यान दिया गया। इन प्रदर्शनों को महाराष्ट्र के लोक कलाकारों के समूहों द्वारा प्रस्तुत किया गया था और यूट्यूब पर प्रसारित किया गया।

26. Gondhal Mahotsav (16th – 18th December 2020)

Gondhal is known as a Marathi folk art. Gondhal performances take place during the worship of Bhavani, Mallari and Khandoba (manifestations of Siva), Mahalakshmi, and also during Navaratri. In addition, Gondhala was mandatory in weddings and cradle ceremonies among Deshastha Brahmins and Marathas. WZCC organized Online Gondhal Mahotsav in which Lecture on Gondhal Tradition of Maharashtra given by Academician Dr. Prakash Khandge. The performances were performed by the folk artist groups of Maharashtra and these were webcasted on youtube.

27. डॉ. कोमल कोठारी पुरस्कार (24 दिसम्बर, 2020)

पद्म भूषण डॉ. कोमल कोठारी (1929–2004) ने अपने जीवन काल में कई शिरस्त्राण धारण किये। लोककथाओं, मौखिक परम्पराओं और राजस्थान के नृवंशविज्ञान के ज्ञान के लिए उनहें अकादमीक क्षेत्र में बहुत माना जाता था। वे राजस्थानी लोक संगीत के अग्रदूतों में से एक थे और प्रदर्शनों की सूची को व्यवस्थित करने और राश्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के लिए लोक संगीतकारों के आकर्षण को जुटाने के लिए काफी हद तक जिम्मेदार थे। डॉ. कोमल कोठारी लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड की चयन समिति की बैठक ऑनलाईन 17 दिसम्बर, 2020 को आयोजित की गई थी। 24 दिसम्बर, 2020 को एक अन्य अनुवर्ती बैठक भी आयोजित की गई थी।

27. Dr. Komal Kothari Award (24th December 2020)

Padma Bhushan Komal Kothari (1929–2004) wore many hats in his lifetime. He was highly regarded in the academic circle for his knowledge of folklore, oral traditions and ethnomusicology of Rajasthan. He was one of the pioneers of Rajasthani folk music, and was largely responsible for organising the repertoire and mobilising the exposure of folk musicians to national and international audiences. Online Selection Committee meeting of Dr. Komal Kothari Lifetime Achievement Award was held on 17th December'20 and another follow-up meeting was also held on 24th Decemer'2020.

28. सांस्कृतिक कार्यक्रम, दीव (संघ प्रदेश) (25 – 27 दिसम्बर, 2020)

संस्कृति विश्वासों के एक समूह के लिए उन्नत कला है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी की यात्रा के दौरान जिला प्रशासन और दीव के बाल भवन के सहयोग से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर राजस्थानी कठपुतली, कालबेलिया, गुजराती नृत्य टिप्पनी, सिद्धिध्माल, गरबा, मिश्रा रास, ढोल और शहनाई, डांडिया की प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम में 137 कलाकारों ने भाग लिया।

28. Cultural Programme, Diu (UT) (25th – 27th December 2020)

Culture is the arts elevated to a set of beliefs. WZCC organized a Cultural programme in collaboration with District Administration and Bal Bhavan of Diu during the visit of Hon'ble President of India Shri Ramnath Kovindji. On this occasion, performances of Rajasthani Puppetry, Kalbelia, Gujarati Lok Nritya Tippani, Siddhi Dhamal, Garba, Mishra Raas, Dhol & Shehnai, Daandiya were performed and 137 artists participated in above programme.

29. ऑनलाईन ध्रुपद समारोह (26 – 27 दिसम्बर, 2020)

ध्रुपद के साधक इस, परम्परा के बारे में सबसे अधिक चर्चा करते है क्यों कि वे एक बड़ा संगीत व नृत्य का अनुसरण करते हैं जो हिन्दुस्तानी प्रणाली में जीवित संगीत का सबसे पुराना रूप है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने ध्रुपद धाम ट्रस्ट, जयपुर के सहयोग से ऑनलाईन ध्रुपद समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर पं. विनोदकुमार द्विवेदी व श्री आयुश द्विवेदी ने ध्रुपद गायन, पं. रविशंकर ने पंचतंत्री वेला, डॉ. अंकित पारीक ने एकल पखावज, डॉ. श्याम सुंदर शर्मा ने विष्णु पद गायन, पं. राकेश ने पखावज संगत व श्री शुभाशीष ने पखावज वादन प्रस्तुत किया।

29. Online Dhrupad Samaroh (26th – 27th December 2020)

Dhrupad exponents talk the most about 'Tradition' as they make a big song and dance about Dhrupad being the oldest form of vocal music surviving in the Hindustani system. WZCC organized Online Dhrupad Samaroh in collaboration with Dhrupad Dham Trust of Jaipur. On this occasion Pt. Vinod Kumar Dwivedi and Shri Ayush Dwivedi presented Dhrupad Pad Gayan; Pt. Ravi Shankar played Panchatantri Bela; Ekal Pakhawaj Wadan by Dr. Ankit Pareek; VishnuPad Gayan by Dr. Shyam Sunder Sharma; Pakhawaj Sangat by Pt. Rakesh; and Ekal Pakhawaj Wadan by Shri Subhashish.

30. बाल गंधर्व शास्त्रीय संगीत व नृत्य उत्सव, जलगांव (1 – 3 जनवरी, 2021)

बाल गंधर्व एक गायक कलाकार थे, जिन्होंने 20वीं सदी के पूर्वार्ध में मराठी मंच पर स्त्री भूमिकाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। केन्द्र के बाल गंधर्व की स्मृति मनाने हेतु बाल गंधर्व शास्त्रीय संगीत व नृत्य उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कलाकारों ने भाग लिया जैसे मुम्बई से अश्विन श्रीनिवासन ने बांसुरी वादन, पूणे से शारवरी जेमेनिस व ग्रुप ने कत्थक नृत्य, कोलकाता के ओमकार दादरकर शास्त्रीय, ऑडिसा से गोटीपुआ, सुश्री मोहंती ने ओडिसी नृत्य व शरायु दात्ये (सुबह का संगती) प्रस्तुत किया।

30. Bal Gandharv Classical Music and Dance Festival, Jalgoan (1st – 3rd January 2021)

Bal Gandharva was a singing star who excelled in feminine roles on the Marathi stage in the first half of the twentieth century. Centre organised classical music and dance festival to celebrate Bal Gandharv, in which different artists participated such as Ashwain Sriniwasan from Mumbai played Bansuri Vadan; Sharvari Jamenis & Group from Pune performed Kathak Dance; Omkar Dadarkar from Kolkata, Classical, Gotipua form Odissa, Miss Mohanti, Odissi Dance & Sharayu Datye (Morning Concert).

31. स्वामी विवेकानंद की जयंती (11– 12 जनवरी, 2021)

स्वामी विवेकानंद एक भारतीय हिंदु विचारक थे। वे 19वीं शताब्दी के भारतीय रहस्यवादी रामकृष्ण के प्रमुख शिष्य थे। वे वेदांत और योग के भारतीय दर्शन को पश्चिम दुनिया में लाने में एक प्रमुख व्यक्ति थे। केन्द्र ने भारतीय लोक कला मंडल श्री रामकृष्ण मिशन ट्रस्ट ऑफ खेतड़ी, राजस्थान के सहयोग से खेतडी में स्वामीविवेकानंद और धर्म भारतम पर आधारित संगोष्ठी और नाटक का आयोजन किया। इस अवसर पर कोलकाता में राजस्थान के 12 कलाकारों ने गीत प्रस्तुत किए।

31. Birth Anniversary of Swami Vivekanand (11th – 12th Janury 2021)

Swami Vivekanand was an Indian Hindu monk. He was a chief disciple of the 19th-century Indian mystic Ramkrishna. He was a key figure in the introduction of the Indian philosophies of Vedanta and Yoga to the Western world. Center organized seminar & play based on Swami Vivekanand and Dharambharatam at Khetri in collaboration with Bhartiya Lok Kala Mandaland Shri Ram Krishna Mission Trust of Khetri, Rajasthan. Along with 12v artist from Rajasthan presented songs on the occasion at Kolkata.

32. लोक रंग (4 – 11 जनवरी, 2021)

केन्द्र ने महाराष्ट्र की लोककलाओं पर ऑनलाईन कार्यक्रम आयोजित किया।

32. LokRang(4th – 11th Janury 2021)

Centre organized an online programme of folk arts of Maharashtra.

33. फाइबर मूर्तिकार कार्यशाला, शिल्पग्राम (10– 28 जनवरी, 2021)

फाइबर कला समृद्ध और लंबे इतिहास के साथ मूर्तिकला बनाने की रचनात्मक कलाओं में से एक है। केन्द्र ने सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा, संरक्षण के प्रमुख उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में कलाकारों ने तत्कालीन शासकों, राज्यों के प्रतीक चिन्ह के साथ–साथ इन संबंधित सदस्य राज्यों के झंडों को अलग–अलग रचना, जिसे बागोर की हवेली में ''रॉयल सागा'' के नाम से जनता के लिए प्रदर्शित किया गया है ताकि जनता उस युग की झलक और वहां और अनुभव प्राप्त कर सके।

33. Fiber Sculptor Workshop, Shilpgram (10th – 28th Janaury 2021)

Fiber art is one of the creative arts of making sculpture, with rich and long history. Centre organized this workshop with prime objective of conservation, preservation of cultural heritage. In the workshop, artists made different bursts of erstwhile rulers of the estates, insignia as well as flags of these respective member states which is showcased in the Bagore ki Haveli with the section name “Royal Saga” to endeavors towards the masses. So, they can have glimpse and feel of that era.

34. सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती (23 जनवरी, 2021)

देश के लिए उनकी ''निःस्वार्थ सेवा'' का सम्मान करने के लिए भारत नेताजी सुभाश चन्द्र बोस की जयंती मनाएगा। केन्द्र ने जयपुर के डॉ. चन्द्र दीप हाडा द्वारा निर्देशित एन.सी.सी. छात्रों के साथ एक नाटक ''अग्नि पथ'' का आयोजन किया और 21 कलाकारों और 5 चित्रकारों को कोलकाता में प्रतिनियुक्त किया। केन्द्र ने हरिपुरा, सूरत में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के तहत गुजरात और छत्तीसगढ़ के साथ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया।

34. 125th Neta Ji Subhash Chandra Bose Jayanti (23rd January 2021)

To honor his “selfless service” to the nation, India will celebrate Netaji Subhash Chandra Bose's birth anniversary, Centre organized a play “Agni Path” with NCC students directed by Dr. Chandra Deep Hada from Jaipur and 21 artists and 5 painters deputed in Kolkata to celebrate the same. Center also organized a cultural programme with paring state of Gujart and Chhattisgarh under Ek Bharat Shrestha Bharat at Haripura , Surat.

35. गणतंत्र दिवस 2021, दीव (26 जनवरी, 2021)

हमारे गौरवशाली राष्ट्र के बहादुर नेता हमें शांति और समृद्धि के लिए मार्गदर्शन करें ताकि हम उनका सिर ऊंचा रख सकें और अपने देश पर गर्व कर सकें। हम इस दिन देश के लिए उनके किए गए कार्यों को सलाम करते हैं। केन्द्र ने डांडिया रास, मिश्र रास और गुजरात के शास्त्रीय नृत्य जैसे लोक और शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शनों का आयोजन किया, राजस्थान से कठपुतली प्रदर्शन, घूमर, चरी और कालबेलिया नृत्यों का प्रदर्शन किया गया।

35. Republic Day 2021, Diu (26th January 2021)

May the brave leaders of our glorious nation guide us to peace and prosperity so that we can hold our heads high and be proud of our country. We salute the work they did for this country on this day. Centre organsied folk and classical dance performances like Dandia Raas, Mishra Raas & classical dance from Gujrat; puppet show, ghoomar, chari & Kalbelia from Rajasthan.

36. शरद रंग, शिल्पग्राम, उदयपुर (16 – 31 जनवरी, 2021)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने शिल्पग्राम के ओपन एयर एम्फीथिएटर में लोगों को भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य के सार का अनुभव कराने के लिए शरद रंग उत्सव का आयोजन किया।

36. Sharad Rang, Shilpgram, Udaipur (16th – 31st January 2021)

WZCC organized Sharad Rang festival to make people experience the essence Indian Classical music and dance at open air Amphitheatre of Shilpgram.

37. एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत ऑनलाईन कार्यक्रम (14 – 17 जनवरी, 2021)

हमारी एकता हमारी शक्ति है और विविधता ही हमारी ताकत है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम का ऑनलाईन आयोजन किया। जहां जोड़ीदार राज्यों अर्थात गुजरात और छत्तीसगढ़, गोवा और झारंखण्ड, महाराष्ट्र और ओडिशा, राजस्थान और असम और पश्चिम बंगाल के 65 कलाकारों ने भजन, पंथी, गोटीपुआ, बाउलगायन, भोर गीत, अभंग, चुआ जैसे प्रदर्शन प्रस्तुत किए।

37. Online Programme under Ek Bharat Shreshtha Bharat (14th – 15th February 2021)

Our Unity is our strength and Diversity is our power. WZCC organized Ek Bharat Shreshtha programme online where 65 artists of paring states i.e., Gujarat & Chattisgarh, Goa & Jharkhand, Mahartra & Odissa, Rajasthan & Assam& West Bengal presented performances like Bhajan, Panthi, Goutipuaa, Baul Singer, bhorgeet, abhang, chua.

38. लोकानुरंजन मेला, जोधपुर और उदयपुर (18 – 19 फरवरी, 2021 तथा 22 – 24 फरवरी, 2021)

लेकानुरंजन मेले में लोक कलाओं के अद्भुत संगम का अनुभव किया जा सकता है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के साहयोग से मेले का आयोजन किया जहां गुजरात के राठवा राव और समई और महाराष्ट्र के लावणी जैसे प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए।

38. Lokanuranjan Mela, Jodhpur & Udaipur (18th – 19th February 2021 & 22nd – 24th Febraury 2021)

One can experience a wonderful union of folk arts in the Lokanranjan Mela. WZCC organized Mela in collaboration with Rajasthan Sangeet Natak Academy, where performances like Rathwa, Raas and Samai of Gujarat and lawani from Maharashtra presented.

39. राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव, पश्चिम बंगाल (14 – 28 फरवरी, 2021)

भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय ने एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया जिसमें पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक क्षेत्र ने विभिन्न कला रूपों जैसे कालबेलिया, भोपा–भोपी, गैर नृत्य, चरी और कला शिल्प जैसे ब्यू पोट्री, कोटा डोरिया, ब्लॉक प्रिन्ट, लकड़ी के खिलौने, लाख की चुड़ियां, कच्छ, एम्ब्रोइडरी इत्यादि की।

39. Rashtriya Sanskriti Mahotsav, West Bengal (14th – 28th Febraury 2021)

Ministry of Culture, Govt of India organised Rashtriya Sanskriti Mahotsav under the Ek Bharat Shrestha Bharat initiative in which WZCC participated through deputing different artforms like kalbelia, bhopa bhopi, gair dance, chari and artcrafts like blue pottery, kota doria, block print, wooden toys, lac bangles, kutch embboroidery.

40. फोर्ट फेस्टीवल चित्तौड़गढ़, राजस्थान (12 – 13 मार्च, 2021)

फोर्ट फेस्टीवल का आयोजन क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति व विरासत को उजागर करने के लिये किया गया और इस उत्सव को जीवन्तता प्रदान करने के लिए सैंकड़ों संगीतकारों, नृत्यों, गायकों और पारम्परिक कारीगरों को जोड़ा जाता है। इसका आयोजन चित्तौड़गढ़ के जिला प्रशासन द्वारा किया गया जिसमें पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने राजस्थान के चकरी, कालबेलिया, भवाई, बहरूपिया, भपंग और गुजरात के डांग कलाकारों द्वारा कला प्रदर्शन किया गया।

40. Fort Festival, Chittorgarh, Rajasthan (12th – 13th March 2021)

Fort festival's theme was the region's rich folk culture, and it draws together hundreds of musicians, dancers, singers and traditional artisans to fill the festival with lively color. Festival was organized by District Administration of Chittorgarh where WZCC presented a cultural programme with performances like Chakri, Kalbelia, bhavi, baharupia, bhapag of Rajasthan and dang from Gujarat .

41. ऋतु वसन्त, उदयपुर, राजस्थान (15 – 17 मार्च, 2021)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में जनता को भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जीवन्त अनुभव कराने के लिए इस उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें पद्म श्री लाखा मेरासी, पद्म श्री मोइनुद्दीन, पद्म श्री अनुप जालोटा और श्रीमती जया प्रभा मेनन जैसे कलाकारों ने भाग लिया।

41. Ritu Vasant, Udaipur, Rajasthan (15th – 17th March 2021)

WZCC organized Ritu Vasant festival to make people experience the essence Indian Classical music and dance at open air Amphitheatre of Shilpgram where artists like Padam Shri Lakha Merasi, Padma Shri Moinuddin, Padma Shri Anup Jalota and Smt. Jaya Prabha Menon.

42. इंडिया एट 75 के अंतर्गत कार्यक्रम (11 – 12 मार्च, 2021)

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्वाधीनता की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ''अमृत महोत्सव'' का आयोजन किया गया है। इस आयोजन के अंतर्गत 15 अगस्त, 2022 से 75 सप्ताह पहले से भारतीय स्वतंत्रता के 75वर्ष के उत्सव को मनाने का निर्णय किया है। इसमें पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे दीव, अहमदाबाद और भरतपुर जैसे स्थानों में गोंडल रास, रोप नृत्य मेर रास, पुंगढोल चोलम मधुर इत्यादि विभिन्न कला रूपों का प्रदर्शन किया।

42. Programmes under India @ 75 (11th – 12th March 2021)

The Government had launched Bharat ka Amrut Mahotsav, the countdown to India's 75th year of independence, The government of India has decided to celebrate 75 years of Indian independence 75 weeks before August 15 2022. WZCC also organised various programmes to be part of this grand event at different places like Diu, Ahmedabad and Bharatpur in which various artforms perodmed such as gondal, raas, rauf dance, mer raas, pung dhol cholam, Madhur and so on.

43. डॉ. कोमल कोठारी, लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड समारोह, जयपुर (25 मार्च, 2021)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने राजभवन, जयपुर में डॉ. कोमल कोठारी लाईफ टाईम एचीवममेंट अवार्ड के लिए एक समारोह का आयोजन किया। जिसमें श्री कांता के. गावडे और श्री विनायक वी. खेडेकर को पुरस्कार से नवाजा गया। माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने अपने करकमलों द्वारा उक्त पुरस्कार प्रदान किए।

43. Dr. Komal Kothari Life Time Achievement Award Ceremony, Jaipur (25th March 2021)

Centre organized a award ceremony for Dr. Komal Kothari Life Time Achievement Award at Raj Bhawan, Jaipur. The awardees were Kanta K Gavade and Vinayak V. Khedekar. The awardees received their award by Hon'ble Governor Shri Kalraj Mishra.

44. राजस्थान दिवस (20 मार्च, 2021)

राजस्थान दिवस राजस्थान राज्य में क्षेत्र के पूर्ववर्ती रियासतों के एकीकरण को प्रदर्शित करने के लिए मनाया जाता है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने भारतीय लोक कला मंडल उदयपुर के सहयोग से लोक संगीत, तेराताल और पावरी जैसी प्रस्तुतियों के साथ एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भाग लिया।

44. Rajasthan Diwas (30th March 2021)

Rajasthan Diwas is celebrated to mark the unification of the erstwhile princely states in the region into the State of Rajasthan. WZCC organised a cultural programme with the performances suh as Lok Sangeet, Tehrahtal and Pavari in collaboration with Bhartiya Lok Kala Mandal, Udaipur.

45. शिल्प दर्शन, उदयपुर

सांस्कृतिक परम्पराओं की उत्कृष्टता को संरक्षित करने की एक अनूठी पहल। शिल्प दर्शन लोगों को ''शिल्प'' से परिचित कराने के लिए कलाकारों और कारीगरों द्वारा प्रदर्शित की जाने वाली कला है। शिल्प दर्शन कार्यक्रम विभिन्न कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह भारत की लुप्त हो रही कला रूपों को एक मंच प्रदान करके संरक्षित करने का प्रयास है। यह एक सतत कार्यक्रम है जिसमें कलाकारों को शिल्पग्राम, उदयपुर में पूरे वर्ष विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम करने के लिए आमन्त्रित किया जाता है। शिल्पग्राम सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र है जहां शिल्पकारों और कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। लोक संगीत, तेराताल, पावरी, कठपुतली, कालबेलिया, चकरी, तेजाजी नृत्य, लावणी, कच्छी भजन लोक गीत और राजस्थान के कठपुतली जैसे कला रूपों का प्रदर्शन किया गया है।

45. Shilpdarshan, Udaipur

An initiative to preserve quintessence of cultural practises!

Shilpdarshan anchors around introducing people to the 'Shilp': Art performed by troops of artists and artisans. The programme Shilpdarshan gives platform to various artists to showcase their talent on a bigger soapbox. It is also an attempt to preserve & conserve the vanishing art forms by providing them a platform. It is a sustained programme in which artists are invited to Shilpgram, Udaipur to perform various cultural events throughout the year in every 15 days spinning. Shilpgram is a hub of cultural activities which creates opportunities for craftsmen and performing artists to exhibit their talents. There were different traditional art foms performed from the month of January till March such as Lok Sangeet, Teratal, Pavari, Pupeteer, Kalbelia, Chakri, Tejaji Nritya, Lavani, Kacchi Bhajan, Lok geet & Puppeteers of Rajasthan.

46. उत्तराधिकार, गुरू–शिष्य परम्परा

भारत की विभिन्न कला रूपों को संरक्षित करने की एक अनूठी पहल।

उत्तराधिकार शब्द का अर्थ है एक व्यक्ति जिसे अपने गुरू के कौशल और खजाने को उपहार में दिया जाएगा, इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में कला के पारखी गुरूओं द्वारा छात्रों को अपना ज्ञान प्रदान करने के लिए आमन्त्रित किया जाता है। इसे हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को हमारी अगली पीढी तक पहुंचाने का एक माध्यम भी माना जा सकता है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने उत्तराधिकार गुरू–शिष्य परम्परा की शुरूआत की क्यों कि प्रतिभा कड़ी मेहनत द्वारा प्राप्त की जा सकती है जो दुलर्भ और लुप्त हो रही कला रूपों को संरक्षित करने में मदद करती है। इस कार्यक्रम में युवा प्रतिभाएं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में कौशल हासिल करती है। यह परम्परा गोवा और राजस्थान में चल रही है जहां गुरू श्रीमती नागी नव वरक सतारी में धनगरी–फुगडी का ज्ञान दे रही है। गुरू श्री राम वजारेकर क्वेपेम में जट गायन पढ़ा रहे है और लोक संगीत और राजस्थान में लोक संगीत भवई, तमाशा, खांताल, वदान इत्यादि की परंपरा आयोजित की गई है।

46. Uttradhikar – Guru Shishya Parampara

An initiative to conserve every art form that was born in India:

The word 'Uttradhikar' means a person who will be gifted with the skills and treasure of his mentor, in this programme art proficient Gurus in various field are invited to impart their impeccable knowledge to students. This can also be considered as a loop of passing on our values and culture to our next generation. WZCC started Uttradhikar – Guru Shishya Paramapara as it believes that with ordinary talent and extraordinary perseverance all things are attainable which also help to preserve the rare and vanishing art forms either its classical, folk or tribal. In this programme the young talents acquire the skills in the chosen field of art under the guidance of experts. The parampara is going on in the member state of Goa and Rajasthan where Guru Smt. Nagi Nau Varak is teaching Dhangari Fugadi at Sattari; Guru Shri Rama Vazarekar is teaching Jat Gayan at Quepem and Lok Sangeet, Bhavai, Tamasha Khantal Vadan is being teached in Rajasthan.

47. धरोहर, उदयपुर

धरोहर, बागोर की हवेली में एक संध्या–कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम है जो शानदार हवेली के समृद्ध वातावरण के एक आदर्श सेटअप में होता है क्योंकि यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक सांस्कृतिक विरासत का आकर्षक नमूना है। पूरे विश्व से पर्यटक इस हवेली की वास्तु कला को देखने के लिए आते है। प्रतिदिन संख्या के समय इस सांस्कृतिक प्रदर्शन को देखने के लिए सम्पूर्ण भारत वर्ष के पयर्टक आते है। इस कार्यक्रम में बहेतरीन कलाकारों द्वारा विभिन्न पारम्परिक नृत्य रूपों का प्रदर्शन किया जाता है। बागोर की हवेली की खूबसूरत विरासत स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है।

47. Dharohar, Udaipur

Dharohar is an evening cultural programme in Bagore ki Haveli, add-on with a perfect setup of rich ambience of magnificent Haveli, as it is being Internationally acclaimed cultural heritage attraction, tourists attracts from all around the world, along with its royal architecture, the cultural performances held when the radiant colours of dusk emerge in sky each evening take foreign and Indian tourists into the authenticity of Rajasthan. In this programme, various traditional dance forms choreographed are performed by authentic artists. The beautiful heritage architectural backdrop of Bagore ki Haveli enhances the spectacle and takes it to another level.

रंगमंच गतिविधियाँ (Theatre Rejuvenation)

1. ऑनलाईन भाषाई नाट्य समारोह (21 नवम्बर, 2020)

रंगमंच में ऐसी शक्ति है जो आगे बढ़ने प्रेरित करने, रूपान्तरित करने और शिक्षित करने की क्षमता रखती है। ऐसा अन्य किसी कला रूप में क्षमता नहीं है। धरोहर, बागोर की हवेली में एक संध्या कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम है। रंगमंच संस्कृतियों की असाधारण विविधता और हमारी साझा मानवीय स्थिति एवं इसकी अखण्डता और ताकत दोनों को दर्शाता है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने ऑनलाईन भाषाई नाट्य समारोह का आयोजन किया जिसमें गुजराती में चेलाईयों, मराठी में निशानी दावा, अंगूठा, राजस्थानी में लाडो री सीख और कोंकणी में ''कसाले आने घोशाली'' जैसे विभिन्न भाषाओं में चार नाटकों का मंचन किया।

1. *Online Bhashayi Natya Samaroh (21st November 2020)*

Theater has the power to move, inspire, transform and educate in ways that no other art form can. Theater reflects both the extraordinary diversity of cultures and our shared human condition, in al its vulnerability and strength. WZCC organized online Bhashayi Natya Samaroh in which four plays were staged in different languages such as Chelaiyo in Gujarati, Nishani Dawa Angatha in Marathi, Lado Ri Sikh in Rajasthani and Kasale Ane Ghoshali in Konkani.

2. रंगशाला के तहत नाटक (6 दिसम्बर, 2020 और 3 जनवरी, 7 फरवरी, 7 मार्च, 2021)

एक मंच नाटक में दृश्य और अदृश्य दुनिया के बीच बातचीत का एक मुद्दा होना चाहिए। श्री जे.पी.सिंह द्वारा निर्देशित ''भ्रष्टाचार में डिप्लोमा'' और जयपुर के संदीप लेले द्वारा लिखित और निर्देशित ''मारे गए गुलफाम'' नाटक का मंचन किया गया। सुनील चौहान द्वारा निर्देशित ''मैं भी मां बन गया'' तथा ''गुम शुदा बाप'' का यूट्यूब पर ऑनलाईन प्रसारण किया गया।

2. Play under Rangshala (6th December 2020 & 3rd January, 7th March, 7th February 2021)

A stage play ought to be the point of interaction between the visible and invisible worlds. WZCC staged a play “Diploma in Corruption“ directed by Shri J.P. singh and “Maare Gaye Gulfam” written & directed by Sandeep Lele from Jaipur; “Me bhi Maa ban gaya” directed by Sunil Chouhan; “Gumshuda Baap” under Rangshala (monthly theatre programme) online on youtube.

3. लोक नाट्य– तमाशा (22 दिसम्बर, 2020)

रंगमंच न केवल लोगों की स्मृतियों में रहता है बल्कि वो उनके दिलों में भी राज करता है, यही इसकी खूबसूरती है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के सहयोग से जयपुर की लोक नाट्य शैली ''तमाशा'' पर व्याख्यान–सह–प्रदर्शन का आयोजन किया। डॉ. अर्चना श्रीवास्तव नाटक विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय के डीन और तमाशा शैली के विशेषज्ञ श्री दिलीप भट्ट ने तमाशा प्रदर्शन के इतिहास और तकनीक के बारे में व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सौरभ भट्ट द्वारा निर्देशित नाटक''तमाशा'' का मंचन किया और उसका प्रसारण किया गया।

3. Folk Theater Tamasha (22nd December 2020)

Theatre lasts only in people's memories and in their hearts that's the beauty of it. WZCC organized Lecture-cum-Demonstration on folk theatre style "Tamasha" of Jaipur in collaboration with Rajasthan University Jaipur. Dr.Archana Srivastava, Dean of Dramatics Department, Rajasthan University and Shri Dilip Bhatt, Expert of Tamasha style delivered lecture about the history and technics of Tamasha performance. A play on "Tamasha" directed by Dr. Saurav Bhatt staged during the event and was webcasted.

4. बीकानेर थिएटर फेस्टिवल, बीकानेर, राजस्थान (22 – 24 मार्च, 2021)

रंगमंच उत्सव का सम्पूर्ण उद्धेश्य लोगों को एकसाथ लाने और कला और मानवता का जश्न मनाने का होना चाहिए। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने बीकानेर की अनुराग कला केन्द्र के सहयोग से थिएटर फेस्टिवल का आयोजन किया जहां विभिन्न नाटकों का मंचन किया गया जिनमें से कुछ पद्म श्री बंसी कौल द्वारा निर्देशित ''जिन्दगी या जौंक'', सुवोजित बनर्जी द्वारा निर्देशित ''नथिंग टू डे'' एवं रमेश बोराणा द्वारा निर्देशित ''रिफण्ड'' का मंचन किया गया।

4. Bikaner Theatre Festival, Bikaner, Rajasthan (22nd – 24th March 2021)

The whole aspect of theatre festival should be a moment to come together and celebrate the art and humanity. WZCC organized Theatre festival in collaboration with Anurag Kala Kendra of Bikaner, where various plays were staged few of them were **"Zindagi or jonk"** directed by Padmshri Bansi Kaul, **"Nothing Today"** directed by Suvojeet Banerjee, "**Refund**" directed by Ramesh Borana.

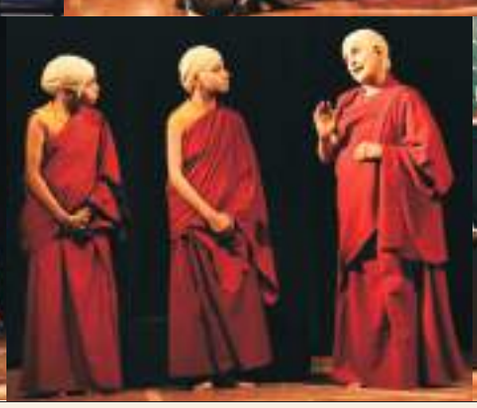

वेबिनार (Webinars)

1. वेबिनार– कोरोना काल एवं नागरिक कर्तव्य, उदयपुर (22 जुलाई, 2020)

देश में कोरोना वायरस के उन्मूलन और रोकथाम के लिए आम नागरिकों को उनके कर्तव्यों के बारे में जागरूक करने के लिए पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने ''कोरोना काल और नागरिक कर्तव्य'' नामक एक वेबिनार को आयोजन किया। मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर के सहयोग से देश में कोरोना वायरस की रोकथाम के संदर्भ में नागरिकों को उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया था। इस वेबिनार में प्रो. सीमा मलिक, डीन, कॉलेज ऑफ सोशल साइंस एंड ह्यूमिनिटीज, प्रो. संजय लोढा, वरिष्ठ राजनितिक विश्लेषक, डॉ. मनोज लोढा प्रोफेसर, हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, डॉ. बालू दान बारहठ, सहायक प्रोफेसर, राजनितिक विज्ञान विभाग, डॉ. कुंजन आचार्य पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय ने इस वेबिनार में भाग लिया। इस वेबिनार को गूगल मीट और फेसबुक पर 6000 हजार से अधिक दर्शकों ने देखा।

1. Webinar – Corona Kaal Evam nagarik Kartavya, Udaipur (22nd July 2020)

As a part of the commemoration of Indian Constitution in the 70th year of adoption of the constitution to make the citizens aware about their duties during abatement and containment of Corona virus in the country, West Zone Cultural Centre organized a Webinar titled “Corona Kaal Evam Nagarik Kartavya” in collaboration with Mohanlal Sukhadia University of Udaipur to make the citizens aware of their duties in the context of containment for corona virus disease in the country. In this webinar, Prof. Seema Mailk, Dean, College of Social Science and Humanities; Prof. Sanjay Lodha, Senior Political Analyst; Dr. Manoj Lodha, Professor, Haridev Joshi University of Journalism; Dr. Baludan Barhath, Assistant Professor, Dept. of Political Science; Dr. Kunjan Acharya, Department of Journalism and Mass Communication, MLS University participated in this webinar. This webinar was viewed at Google Meet and Facebook by more than 6000 viewers.

2. वेबिनार– लोककला और लोक साहित्य में लोक वाद्यो का योगदान (25 जुलाई, 2020)

लोक संगीत ने खेलते हुए सीखना और रचनात्मकता से संगीत की दुनिया का सबसे आकर्षक हिस्सा बन गया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने ''लोक कला और लोक साहित्य में लोक वाद्यो का योगदान'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार के वक्ता मुम्बई के श्री गणेश चन्दन शिवे, ठाणे से डॉ. प्रकाश खांडगे, मुम्बई से डॉ. मानिका ठक्कर और मुम्बई से विकास कोकाटे थे।

2. Webinar – Lok Kala Evam Lok Sahitya me Lok Vadhyon ka Yogdan (25th July 2020)

The folk music led to learning to play, and making things up led to what turns out to be the most lucrative part of the music world. WZCC hosted a Webinar on, “Lok Kala Evam Lok Sahitya Me Lok Vadhyon Ka Yogdan”. The speakers of the webinar were Ganesh Chandan Shivefrom Mumbai; Dr. Prakash Khandge from Thane; Dr. Monika Takkar from Mumbai and Vikas Kokate from Mumbai.

3. लोक शाहिर अन्नाभाऊ साठे– जन्म शताब्दी के अवसर पर वेबिनार (1 अगस्त, 2020)

तुकाराम भावराम साठे, जिन्हें अन्नाभाउ साठे के नाम से जाना जाता था, ये महाराष्ट्र के एक समाज सुधारक, लोक कवि और लेखक थे। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने लोक कला अकादमी और शाही अमरशेख अध्ययन मुम्बई विश्वविद्यालय के सहयोग से अन्नाभाऊ साठे जन्म शताब्दी के अवसर पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार के वक्ताओं में डॉ. बाबूराव घुरव, डॉ. नितिन आरेकर, डॉ. मिलिन्द अवध और शाहिर सम्भाजी भगत शामिल थे।

3. Webinar on the occasion of Lokshair Annabhua Sathe Janma Sathabdi(1st August 2020)

Tukaram Bhaurao Sathe was popularly known as Annabhau Sathe, was a social reformer, folk poet and write from Maharashtra. WZCC in collaboration with Lok Kala Academy and Shahir Amar Sheikh Adhyasan, Mumbai University conduced a webinar on the occasion of Lokshahir Annabhau Sathe Janma Sathabdi. The speakers of the webinar were Dr. Baburav Gurav, Dr. Nitin Arekar, Dr. Milind Avad and Shahir Sambhaji Bhagat.

4. महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर वेबिनार (30 सितम्बर, 2020)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर के सहयोग से ''आजादी का आंदोलन एवं गांधी की पत्रकारिता'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इसमें प्रमुख वक्ताओं में प्रो. अमेरिका सिंह, कुलपति मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय,उदयपुर ,प्रो. के.जी.सुरेश, प्रो. विनोद पाण्डे, प्रो. सीमा मलिक और वेबिनार समन्वयक डॉ. कुंजन आचार्य थे।

4. Webinar on occasion of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi (30th September 2020)

WZCC in collaboration with Mohan Lal Sukhadiya University of Udaipur conducted a webinar on "**Azadi ka Aandolan evam Gandhi ki Patrakarita**". The key speakers were Prof. America Singh, VC, MLSU, Prof. K.G. Suresh, Prof. Vinod Pandey, Prof. Seema Malik and webinar coordinator Dr. Kunjan Acharya.

5. भारत के संविधान का वार्षिक उत्सव मनाते हुए लोकप्रदर्शनों पर वेबिनार (7 नवम्बर, 2020)

भारत का संविधान, कानून का शासन, न्याय पालिका की स्वतंत्रता और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता की गारंटी देना चाहता है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने शिक्षाविद् डॉ. प्रकाश खांडगे द्वारा ऑनलाईन व्याख्यान और महाराष्ट्र के लोककलाकारों श्री विकास कोकाटे और डॉ. गणेश चन्दन शिवे समूह द्वारा भारत के संविधान के वार्षिक उत्सव कला प्रदर्शन करते हुए ऑनलाईन व्याख्यान का आयोजन किया।

5. Webinar on Folk performances celebrating Constitution of India yearlong celebration (7th November 2020)

The Constitution of India seeks to guarantee respect for the rule of law, the independence of the judiciary, and the integrity of the electoral process. WZCC organized Online Lecture by academician Dr. Prakash Khandge and performances by folk artists of Maharashtra Shri Vikas Kokate and Dr. Ganesh Chandan Shive group celebrating yearlong celebration of constitution of India.

कार्यशालाएँ (Workshops)

1. पिछवाई पेंटिंग कार्यशाला, उदयपुर (25 जून – 11 जुलाई, 2020)

पिछवाई शब्द ''पीछे'' से बना है जिसका अर्थ है, पीछे और वाई का अर्थ कपड़े लट्कााना है। मूल रूप से नाथद्वारा में श्रीनाथ जी के मंदिर को सजाने के लिए पिछवाई चित्रों का उपयोग किया गया। भगवान श्रीकृश्ण के जीवन में विभिन्न मौसमों, त्योहारों और घटनाओं को मनाने के लिए देवताओं के पीछे लटका दिया गया था। समय के साथ पिछवाईयों को भी कलापारखी लोगों के घरों में उनकी दृश्य अपील के कारण जगह मिली। कई अन्य पारम्परिक भारतीय कलारूपों की तरह पिछवाई की कला भी लुप्त हो रही है और इसके संरक्षण की आवश्यकता है। इसलिए पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने बागोर की हवेली में कार्यशाला का आयोजन किया। इसका संचालन उदयपुर के श्री राजाराम शर्मा ने किया जिसमें 10 कलाकारों ने भाग लिया एवं 19 पेंटिंग बनाई। बागोर की हवेली में इन चित्रों को प्रदर्शित किया गया है।

1. Pichwai Painting Workshop, Udaipur (25th June – 11th July 2020)

The word Pichwai comes from 'pichh' meaning back, and 'wai', meaning textile hanging. Originally, pichwai paintings were used to decorate the temple of Shrinathji (Shrinathji ki Haveli) in Nathdwara, hung behind the deity to celebrate different seasons, festivals and events in Lord Krishna's life. Over time, pichwais also found a place in the homes of art connoisseurs, owing to their visual appeal. Like several other traditional Indian art forms, the art of Pichwai is also dying, and requires recognition and revival. So WZCC organized the workshop at Bagore ki Haveli. It was coordinated by Shri Rajaram Sharma of Udaipur along with 10 artists participated and made 19 paintings. These paintings put at display, a separate niche is created in Bagore Ki Haveli Museum.

2. लघु चित्र एवं चित्रकला कार्यशाला, उदयपुर (19 – 30 जुलाई, 2020)

राजस्थान के लघुचित्र शाही उत्सवों, समारोहों, युद्धों, जुलूसों और ऐतिहासिक आकृतियों का एक अविश्वसनीय रूप से विस्तृत आश्चर्यजनक दृश्य आख्यान है। कागज या कभी–कभी हाथी दांत पर खीचें एक लघु चित्रों को पक्षियों के पखों में गिलहरी की पूंछ के बालों के कुछ किस्मों को बारीक दृश्य से चित्रित किया गया था। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने लघु चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें लघु कलाकारों को एक दूसरे के साथ बातचीत करने और उनके कौशल को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। बागोर की हवेली संग्रहालय की गैलेरी में मेवाड़ के इतिहास को दर्शाने के लिए और आगन्तुकों के लिए मेवाड के गौरवशील युग की झलक दिखाने के लिए प्रदर्शित किया गया है।

2. Miniature Painting and Portrait Art Workshop, Udaipur (19th - 30th July 2020)

Miniature Paintings of Rajasthan are the incredibly detailed enchanting visual narratives of royal festivities, ceremonies, wars, processions and historical figures. Drawn on paper or sometimes ivory, the miniatures were painted with extremely fine brushes made by inserting just a few strands of squirrels' tail hair into bird feathers. WZCC organized Miniature Painting Workshop at the headquarters, Udaipur to bring miniature artists together on a common platform to interact with each other and to enhance their skills. The Galleries of Bagore Ki Haveli Museum is adorned with these paintings, the history of Mewar is depicted which is going to enrich the display and visitors will have a glimpse of the glorious era of Mewar.

3. पारम्परिक भित्ति चित्रों एवं भित्ति चित्रों की कार्यशाला, उदयपुर (11 – 30 अगस्त, 2020)

बागोर की हवेली, उदयपुर में पारम्परिक भित्ति चित्रों एवं भित्तिचित्रों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। पारम्परिक भित्ति–चित्र एक ऐसी कलाकृति है जिसे सीधे दीवार पर, छत या अन्य स्थाई सतहों पर चित्रित किया जाता है। बागोर की हवेली में कई भित्ति चित्र थे जो पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के आधिपत्य में आने से पहले और समय के प्रभाव के कारण नष्ट हो गए थे। केन्द्र ने इस कार्यशाला का आयोजन भित्ति चित्रों को बनाने के उद्धेश्य से किया था ताकि शानदार हवेली को उसके प्राचीन गौरव में लाया जा सके और हवेली के राजशाही शासन को पुनः विस्मृत किया जा सके। यह बागोर की हवेली संग्रहालय में आगन्तुकों को इसकी झलक नजर आयेगी।

3. Workshop of Traditional frescos and murals, Udaipur (11th – 30th August 2020)

Workshop on Traditional frescoes and murals was organized at Bagore ki Haveli, Udaipur. Traditional Fresco/ mural painting is an artwork painted or applied directly on a wall, ceiling or other permanent surfaces. Bagore ki Haveli had many frescos and murals which got destroyed before it came into the possession of WZCC and due to weathering effect. Centre organized this workshop with a view to making of murals and frescos to bring back the magnificent haveli into its past pristine glory and royal regalia of Haveli have been restored. This is going to be a feast for the visitors at Bagore Ki Haveli Museum.

4. लकडी केन और बांस कार्यशाला, उदयपुर (26 अक्टूबर – 13 नवम्बर, 2020)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से शिल्पग्राम में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' विषय के तहत नागा हट के निर्माण हेतु लकडी केन और बांस कार्यशाला का आयोजन किया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का उद्धेश्य विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेश के लोगों के बीच परस्पर समझ को बढ़ावा देना है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र इस गतिविधि को संरक्षित करने एवं बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों की झलक दिखाने के लिए करता है। नागालैण्ड से 10 शिल्पकारों और 4 मूतिकारों ने एक नागालैण्ड झोंपड़ी का निर्माण करने और उसे नगर भित्ति कला कार्यों से अंलकृत किया। दीमापुर के श्री लिपोकुमार, त्जूदूर (पूर्वोत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, दीमापुर के पूर्व निदेशक) कार्यशाला के मुख्य क्यूरेटर थे। 29 नवम्बर, 2020 को राजस्थान के माननीय राज्यपाल और पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के अध्यक्ष की उपस्थिति में एक वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया।

4. Wood Cane & Bamboo Workshop, Udaipur (26th October – 13th November 2020)

WZCC organized Wood Cane & Bamboo workshop to construct Naga Hut under the theme "Ek Bharat Shreshtha Bharat". Ek Bharat Shreshtha Bharat programme aims to enhance interaction & promote mutual understanding between people of different states/UTs through the concept of state/UT pairing. WZCC carry out this activity to promote a sustained and structured cultural connect and to showcase the glimpse of North Eastern States through the Naga Morung Hut the new with a dimention of 20'x30'. There were 10 craftsmen and 4 sculptors participated from Nagaland to erect a Nagaland Hut and embellish the same with Nagar Sculpture works. Mr. Lipokmar Tzudir from Dimapur (Former Director of North East Zone Cultural Centre, Dimapur) was the Chief Curator of the workshop. A documentary on the same was screened at Raj Bhawan in the presence of Hon'ble Governor of Rajasthan and Chairman of WZCC on 29th November 2020.

5. पारम्परिक भित्ति चित्रों पर कार्यशाला, उदयपुर (12 अक्टूबर, 2020)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने बागोर की हवेली, उदयपुर में पारम्परिक भित्ति चित्रों एवं भित्ति चित्रों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। पारम्परिक भित्ति चित्र एक ऐसी कलाकृति है जिसे सीधे दीवार, छत या अन्य स्थाई सतहों पर चित्रित किया जाता है। उस युग के सांस्कृतिक लोकाचार को दर्शाने वाले भित्ति चित्रों की प्राचीन सुन्दरता को पूरी प्रामाणिकता के साथ फिर से बनाया गया है। यह बागौर ही हवेली संग्रहालय में आगन्तुकों को दृश्यमान होगी।

5. Workshop on Traditional Frescos, Udaipur (12th October 2020)

Workshop on Traditional frescoes and murals was organized at Bagore ki Haveli, Udaipur. Traditional Fresco/ mural painting is an artwork painted or applied directly on a wall, ceiling or other permanent surfaces. The pristine beauty of the frescos which enshrines cultural ethos of that era have been recreated with full zeal and authenticness by WZCC. This is going to be a feast for the visitors at Bagore Ki Haveli Museum.

6. धरोहर,– वाटरकलर पेंटिंग की कार्यशाला, जयपुर (23 – 30 नवम्बर, 2020)

हमारी समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत में हमारे राष्ट्र के निर्माण में मदद करने की गहरी शक्ति है। दृश्य कला गतिविधियों को बढ़ावा देने और कलाकारों के बीच बातचीत को बढ़ाने के लिए जयपुर शहर के ऐतिहासिक और स्थापत्य रूप से महत्वपूर्ण स्मारकों को चित्रित करने के लिए पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा एक राष्ट्रीय स्तर की जलरंग कार्यशाला ''धरोहर'' का आयोजन किया गया जिसमें देशभर के 13 प्रतिष्ठित कलाकारों ने भाग लिया। इसमें संयोजक डॉ. शालिनी भारती, ड्रांइंग व पेंटिंग विभाग कोटा के कला महाविद्यालय ने कार्यशाला का समन्वय किया। जयपुर के राजभवन के लोन में रचनाओं की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई और इसका उद्घाटन माननीय राज्यपाल और पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के अध्यक्ष ने किया।

6. Dharohar - Workshop of Water Color Painting, Jaipur (23rd – 30th November 2020)

Our rich and varied cultural heritage has a profound power to help build our nation. In order to promote visual art activities and enhance interaction amongst the artists, “DHAROHAR” – a national level water colour workshop organized by WZCC to paint the historically and architecturally important monuments of the Jaipur city, in which 13 eminent artists from all over country participated. Dr. Shalini Bharti, HOD of Department of Drawing and Painting, Govt. Arts College of Kota coordinated the workshop. An Exhibition of the creations were held at lawn of Raj Bhavan of Jaipur and was inaugurated by the Hon'ble Governor and Chairman of WZCC.

7. लोक और जनजाति उपकरणों की कार्यशाला (20 – 24 दिसम्बर, 2020)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने इस कार्यशाला में राजस्थान व गुजरात के सभी लोक और जनजाति कलाकारों को उनके विभिन्न उपकरणों के साथ बुलाया गया और जो दुलर्भ और लुप्त हो रहे उपकरणों का दस्तावेजी करण किया गया और कलाकारों को आपसी बातचीत के लिए मंच प्रदान किया गया। लोक और जनजाति उपकरण कार्यशाला, लोक और शास्त्रीय वाद्य यंत्रों को सामने लाकर एक ही मंच पर प्रदर्शित करने और सदस्य राज्यों के कलाकारों के गहरे जुड़ाव के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने की पहल थी।

7. Workshop of Folk and Tribal Instruments (20th – 24th December 2020)

In this workshop, WZCC called all the folk and tribal artists with their different instruments from the member states i.e. Rajasthan & Gujarat where we documented all the rare and vanishing instruments and also gave platform to artists for the interaction among them. Folk & Tribal Instruments Workshop was one of the initiatives to showcase the heritage and culture on a same platform by bridging the folk and classical instruments and to promote the spirit of national integration through deep and structured engagement of the artists of member states

8. आदिवासी कला पर्व, शिल्पग्राम, उदयपुर (5 – 10 फरवरी, 2021)

भारत की जनजाति कला देश की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाती है। जनजाति कलाएं जो लोक कलाओं में से एक है और जीवन्त कला शैली है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने जनजाति कला शिविर का आयोजन किया जिसमें विभिन्न आदिवासी कलारूपों जैसे भील, गौंड, पिथौरा, राजस्थानी भील आदिवासी समकालीन कला छत्तीसगढ़ और वारली के 38 कलाकार शामिल थे।

8. Tribal Kala Parv, Shilpgram, Udaipur (5th – 10th Febrary 2021)

Tribal art of India portrats cultural diversity of the country. Tribal art, which is one of the folk arts, is simple and ethnic yet colorful, vibrant art style. WZCC organized Tribal Kala art camp consisted of 38 artists belonging to different tribal art forms lsuch as Bhil,gond, pithora, Rajaaathani bhil, tribal contemporary art, uraon rajawar of Chatisgarh and warli.

9. वूडकट प्रिन्ट मेकिंग कार्यशाला, उदयपुर (9 – 15 मार्च, 2021)

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा कला के क्षेत्र में नवीन पीढ़ी को कला सृजन के लिये प्रेरित करने तथा लोगों को कला की ओर मुखरित करने के उद्देश्य से उदयपुर में ''वुडकट प्रिन्ट मेकिंग कार्यशाला'' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में गोवा के विख्यात चित्रकार श्री हनुमान रावजी काम्बली ने द्वारा 20 छात्रों को वुड कट शैली का प्रशिक्षण दिया गया।

9. Woodcut Print Making Workshop, Udaipur (9th – 15th March 2021)

WZCC organized Woodcut print making workshop for motivating the beginners in the field of art. The workshop was coordinated by Hanuman Ravji Kambli along with 20 students participated in the workshop.

10.कलादीपम, गोवा (4 – 8 मार्च, 2021)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा गोवा में ''कला दीपम'' एक राष्ट्रीय महिला कला शिविर का आयोजन किया गया। महिलाओं के कृतित्व को प्रोत्साहन देने के लिये आयोजित इस कला शिविर में महिला चित्रकारों द्वारा चित्रण के माध्यम से स्वयं की अभिव्यक्ति को कैनवास पर मंडित किया गया तथा यह दर्शाया कि महिलाओं में सृजन की अखूत क्षमता होती है जिसे कला के माध्यम से श्रेष्ठ ढंग से अभिव्यक्त किया जा सकता है।

10.Kala Deepam, Goa (4th – 8th March 2021)

"Kala Deepam" a National Women's Art Camp was to celebrate the lives and times of women on our planet. The art camp was unique in empowering women to realize their creative potential ad to build their own identity through self-articulation and expression.

15
क्षेत्र

Audit Report
2020-2021

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक का पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने 31 मार्च 2021 तक पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के संलग्न तुलन–पत्र की सोसायटी के संगम ज्ञापन एवं नियमों की धारा 5 बी (XXIV) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखापरीक्षा कर ली है। लेखापरीक्षा 5 वर्षों के लिए वर्ष 2020–21 से 2024–25 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। इन वित्तीय विवरणों में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के समस्त यूनिटों के लेखे शामिल है। इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के प्रबंधन का है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण, उत्तम लेखाकरण प्रथाओं के साथ अनुरुपता, लेखाकरण मानकों और प्रकटन मानकों आदि के संबंध में केवल लेखाकरण व्यवहार पर नियंत्रक महालेखापरीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियमों एंव विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता एवं निष्पादन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखापरीक्षा अभ्युक्तियां, यदि कोई हो, निरीक्षण प्रतिवेदनों/सी.ए.जी के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से अलग से सूचित की जाती है।

3. हमने भारत में सामान्य रुप से स्वीकार किये गये लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि हम इस विषय में समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिये कि क्या वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण गलत विवरणों से मुक्त है, योजना बनाते हैं और लेखापरीक्षा करते है। लेखापरीक्षा में नमूना के आधार पर जांच करना, रकमों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों और वित्तीय विवरणों में प्रकटन शामिल होते हैं। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त किए गए लेखाकरण सिद्वान्तों तथा प्रबंन्धन द्वारा किये गये महत्वपूर्ण अनुमानों का निर्धारण और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत के लिये समुचित आधार मुहैया करती है।

4. अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:–

(i) हमने वह समस्त सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार आवश्यक थे।

(ii) इस रिपोर्ट द्वारा डील किये गये तुलन–पत्र और आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित फॉर्मेट में तैयार किये गये है।

(iii) हमारी राय में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा लेखाओं की समुचित बहियाँ और अन्य सुसंगत अभिलेख, जैसा कि सोसायटी (अर्थात् पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र) के संगम ज्ञापन एवं नियमों की धारा 5 सी (v) के अंतर्गत आवश्यक है, जहां तक ऐसी बहियों के संबंध में हमारी जांच से प्रकट होता है, संधारित किए गए हैं।

(iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

क–सहायता अनुदान

संस्थान को वर्ष 2020–21 के दौरान₹ 8.90 करोड़ का सहायता अनुदान प्राप्त हुआ है। (माह मार्च 2021 में₹ 70.43 लाख प्राप्त हुआ था)। वर्ष के प्रारंभ में विगत वर्ष 2019–20 का₹ 71 लाख का अव्ययित अनुदान उपलब्ध था। कुल उपलब्ध अनुदान 9.61 करोड़ में से पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर₹ 4.74 करोड की राशि का उपयोग कर सका। इसके अलावा, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर ने वर्ष 2019–20 के अंत में प्राप्य₹ 20.92 लाख को समायोजित किया है एवं वर्ष 2019–20 की अव्ययित सहायता अनुदान₹ 66.44 वापस की गई जिससे 31 मार्च 2021 को शेष₹ 3.99 करोड़ अव्ययित रह गया है।

(v) पिछले पैराग्रॉफों में हमारी अभ्युक्तियों के अधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा डील किये गये तुलन–पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, लेखा बहियों के अनुरुप है।

(vi) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोतम जानकारी तथा हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार, लेखाकरण नीतियाँ तथा लेखाओं पर टिप्पणियों के साथ पठित तथा उपर्युक्त उल्लिखित महत्वपूर्ण मामलों तथा इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अध्यधीन उक्त वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धान्तों के अनुरुप सही एवं उचित दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

क– जहां तक यह 31 मार्च 2021 को पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के कार्यों के तुलन–पत्र से संबंधित है, और

ख– जहां तक यह इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय एवं व्यय लेखा से सम्बन्धित हैं।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लिये

स्थान : अहमदाबाद

दिनांक :

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) अहमदाबाद

वर्ष 2019–20 के लिए पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का अनुबन्ध

1. आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा एक "चार्टर्ड एकाउंटेंट" (सनदी लेखाकार) मैसर्स सुनील दोषी एंड कं. को आन्तरिक लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। उपरोक्त फर्म द्वारा आन्तरिक लेखापरीक्षा संचालित कर तुलन–पत्र के साथ अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई थी। इस प्रकार, आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रणाली पर्याप्त थी।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र में प्रचलित आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली, इसके आकार के अनुरूप थी, कर्तव्यों का आवंटन उचित रीति से किया गया था, किन्तु वहां नकद, भण्डार इत्यादि को डील करने वालों के क्रमावर्तन की कोई प्रणाली विद्यमान नहीं है। आगे, लेखाधिकारी का पद लंबे समय से रिक्त पड़ा हुआ है।

3. स्थिर परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन

वर्ष 2020–21 के दौरान स्थिर परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन किया गया था।

4. माल–सूची का भौतिक सत्यापन

वर्ष 2020–21 के दौरान माल–सूची का भौतिक सत्यापन किया गया था।

5. सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता

इकाई नियमित रूप से सांविधिक देयताओं का भुगतान कर रही है एवं जो बकाया है, का अगले वित्तीय वर्ष के शुरूआत में भुगतान कर दिया जावेगा।

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of West Zone Cultural Centre, Udaipur for the Year ended as on 31 March, 2021

Introduction

We have audited the attached Balance Sheet of West Zone Cultural Centre (WZCC), Udaipur as at 31 March 2021 and the Income and Expenditure Account, Receipts and Payments Accounts for the year ended on that date under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act 1971 read with Section 5-B (xxiv) of the Memorandum of Association and the Rules of the Society. The audit has been entrusted for the period of 5 years from 2020-21 to 2024-25. These financial statements include the accounts of all units of WZCC. These financial statements are the responsibility of WZCC's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency cum performance aspects, etc. if any are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with the auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/Receipts and Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by Ministry of Finance.

iii. In our opinion, Proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the WZCC, Udaipur as required under section 5-C (v) of the Memorandum of Association and Rules of the Society (i.e. WZCC) in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that

A. **Grant-in-aid:**

The Centre has received Grant-in-aid₹ 8.90 crore during the year 2020-21 (₹ 70.43 lakh was received in the month of March 2021).Unspent grant of ₹ 71 lakh of previous year 2019-20 was available at the beginning of the year. Out of total available grant ₹ 9.61 crore the WZCC, Udaipur could utilise a sum of ₹4.74 crore. Further, WZCC, Udaipur has adjusted ₹20.92 lakh receivable at the end of year 2019-20 and refunded unspent grant of ₹66.44 lakh of the year 201 9-20,leaving a balance of ₹ 3.99 crore as unspent as on 31 March 2021 .

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and/Income and Expenditure Account/Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters, stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

a. In so far as they relate to the Balance Sheet, of the state of affairs of the WZCC, Udaipur as at 31 March 2021 and

b. In so far as it relates to Income and Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

Place: Ahmedabad

Date:

V.N. Kothari

Principal Director of Audit (Central) Ahmedabad

Annexure to Separate Audit Report 2020-21

1. **Adequacy of Internal Audit System:**

WZCC, Udaipur has appointed Chartered Accountant M/s. Sunil Doshi & Co. as an Internal Auditor. The above firm conducted internal audit and submitted its report with Balance Sheet. As such, Internal Audit System was adequate.

2. **Adequacy of Internal Control System:**

Internal Control System prevailed in the WZCC was commensurate with its size except duties are properly allotted, but there is no system of rotation of duties dealing with cash, store, etc. Further, the post of Account Officer is lying vacant since long.

3. **Physical verification of Fixed Assets**

Physical verification of fixed assets was conducted for the year 2020-21.

4. **Physical verification of inventories**

Physical verification of inventories was conducted for the year 2020-21.

5. **Payment of Statutory dues:**

The unit is paying statutory dues regularly and which remain pending it cleared at the beginning of the next financial year.

Bhandari

Sr. Audit Officer/CRA-II(Exp.)

WEST ZONE CULTURAL CENTRE

Bagore Ki Haveli, Gangaur Ghat, Udaipur -313001

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2021

[Amount Rs.]

	Sch.	31.03.2021	31.03.2020
CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CORPUS FUND	1	30,00,00,000.00	30,00,00,000.00
RESERVES AND SURPLUS	2	20,65,10,934.90	21,74,59,095.12
EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS	3	1,80,78,141.43	2,08,47,453.50
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	-	-
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	-	-
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	-	-
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	4,43,68,250.00	2,71,33,191.00
TOTAL		**56,89,57,326.33**	**56,54,39,739.62**
ASSETS			
FIXED ASSETS	8	3,19,98,953.00	3,78,59,072.00
INVESTMENTS- CORPUS & GENERAL RESERVE FUND	9	37,55,48,143.43	37,83,17,455.50
INVESTMENT OTHERS	10	9,50,00,002.00	10,60,00,002.00
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES	11	6,64,10,227.90	4,32,63,210.12
MISCELLANEOUS EXPENDITURE (To the extent not written off or adjusted)		-	-
TOTAL		**56,89,57,326.33**	**56,54,39,739.62**
		-	-
Significant Accounting Policies	25		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	26		

As per Our Audit Report of even date attached

For M/s Sunil Doshi & Co.
Chartered Accountants
FRN 006919C

Accounts Officer **Additional Director** **Director**
West Zone Cultural Centre
Udaipur

[SUNIL DOSHI]
Proprietor
M.No : 075818

Place; Udaipur {Rajasthan}
Date ; 19th July 2021

WEST ZONE CULTURAL CENTRE

Bagore Ki Haveli, Gangaur Ghat, Udaipur -313001

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED ON 31st MARCH 2021

[Amount Rs.]

	Sch.	31.03.2021	31.03.2020
INCOME			
Income from Sales/ Services	12	-	-
Grants/Contributions for Programmes	13	4,73,19,710.00	9,29,93,807.00
Fees/Subscriptions/ Sale of Tickets	14	12,77,460.00	1,26,26,865.00
Income from Investments (Earmarked/End. Fund)	15	-	-
Income from Royalty, Publications Etc	16	-	-
Interest Earned	17	3,00,15,228.00	3,42,13,025.70
Other Income	18	10,72,003.00	1,14,53,832.00
Increase/ (Decrease) in stock of Finished Goods & WIP	19	-	-
TOTAL		**7,96,84,401.00**	**15,12,87,529.70**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	3,43,60,824.00	3,59,13,154.00
Other Administrative Expenses	21	35,75,441.22	37,50,380.00
Expenditure on Grants /Subsidies etc	22	-	-
Interest	23	-	-
Programme Expenditure	24	4,73,19,710.00	9,29,93,807.00
Depreciation Expenses	8	9,29,566.00	8,80,538.00
TOTAL		**8,61,85,541.22**	**13,35,37,879.00**
Balance Being Excess of Income over Expenditure		**(65,01,140.22)**	**1,77,49,650.70**
Add/ (Less): Prior Period & Extraordinary Items		31,93,390.00	13,61,668.00
Balance Being SURPLUS/DEFICIT		**(33,07,750.22)**	**1,91,11,318.70**
Significant Accounting Policies	25		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	26		

As per Our Audit Report of even date attached

For M/s Sunil Doshi & Co.
Chartered Accountants
FRN 006919C

Accounts Officer **Additional Director** **Director**
West Zone Cultural Centre
Udaipur

[SUNIL DOSHI]
Proprietor
M.No : 075818

Udaipur Audited By

Place; Udaipur {Rajasthan}
Date ; 19th July 2021

WEST ZONE CULTURAL CENTRE

Bagore Ki Haveli, Gangaur Ghat, Udaipur -313001

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.2021

RECEIPTS	Year Ended 31.03.2021	Year Ended 31.03.2020
I. Opening Balance		
a) Cash in Hand	37,385.00	31,471.00
b) Bank Balances		
i) In Current Accounts	-	-
ii) In Saving Accounts	1,32,69,990.32	1,72,51,903.92
II. Grant/Contribution Received		
a) from Govt. of India	8,89,87,490.00	9,58,84,000.00
b) For Corpus Fund	-	-
c) Contribution for Programme	-	-
d) Old Grant Received	1,00,32,463.00	20,64,000.00
III. Income on Investment From		
a) Corpus & General Reserve Fund	2,78,17,523.00	2,45,45,434.60
b) Own Fund (Other Investment)	82,11,085.76	59,37,829.10
c) WZCC Group Leave Encashment Fund	13,18,469.60	12,21,200.50
IV. Interest Received		
a) On Bank Deposits (Saving)	2,30,680.00	5,02,852.00
V. Other Income		
a) Sale of Tickets	12,77,460.00	1,26,26,885.00
b) Miscellaneous Income	10,84,725.00	1,12,57,033.00
c) Sale of Fixed Assets	7,556.00	-
VI. Advances		
a) Staff Advances	-	3,715.00
b) Govt. Agencies	-	53,617.00
c) Other Advances	5,57,140.00	-
d) Income tax Refund	23,55,661.00	-
VII. Sundry Creditors		
a) Sundry Creditors	3,20,148.00	22,93,535.00
VIII. Other Receipts		
a) Earnest Money	16,61,600.00	17,47,907.00
b) Statutory Liabilities	-	70,120.00
c) Old Cheques Adjusted	-	1,65,351.00
d) Sundry Debtors	1,67,494.96	8,03,036.00
e) Receipt from Bank on FDR Maturity	1,10,00,000.00	-
TOTAL	**16,83,16,881.64**	**17,64,69,870.12**

PAYMENTS	Year Ended 31.03.2021	Year Ended 31.03.2020
I. Expenses		
a) Establishment Exp.	3,45,48,247.00	3,50,33,906.00
b) Administrative Exp.	41,06,541.22	30,65,042.00
c) Programme Exp.	5,43,14,092.00	9,17,54,398.00
II. Investments		
a) Out of Corpus & General Reserve fund	-	-
b) Out of Own Fund- Investment Others	-	2,49,99,001.00
c) Group Leave Encashment fund Investment	13,18,469.60	12,21,200.50
III. Expenditure on Fixed Assets		
a) Purchase of Fixed Assets	6,38,936.00	1,64,751.00
b) Capital Work in Progress	-	93,375.00
IV. Payment to Group Gratuity Trust		
a) WZCC Employees Group Gratuity Trust	-	25,40,147.00
V. Other Payments		
a) Statutory Liabilities	41,007.00	-
b) Earnest Money Refund	26,92,204.00	3,70,600.00
c) Unspent Grant Refund	66,44,123.00	3,51,306.00
d) Sundry Creditors	61,08,509.00	15,00,000.00
		-
VI. Advances & Deposits		
a) Staff Advances	-	-
b) Govt. Agencies	1,13,27,517.00	-
c) Other Advances	-	5,67,929.00
d) TDS	6,94,807.00	14,65,072.30
e) Deposits	-	25,767.00
VII. Sundry Debtors		
a) Sundry Debtors	-	-
VIII Closing Balance		
a) Cash in Hand	1,83,709.00	37,385.00
b) Bank Balances		
i) In Current Accounts	-	-
ii) In Saving Accounts	4,56,96,719.82	1,32,69,990.32
TOTAL	**16,83,16,881.64**	**17,64,69,870.12**

Accounts Officer

Additional Director
West Zone Cultural Centre
Udaipur

Director

In terms of our audit report
Of even date attached
For M/s Sunil Doshi & Co.
Chartered Accountants
FRN 0[illegible]19C

(Sunil Doshi)
Proprietor
M.No 075818

M/s Sunil Doshi & Co. Udaipur Audited By Chartered Accountants

Place: Udaipur
Date : 19th July 2021

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2020-2021

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2020-2021

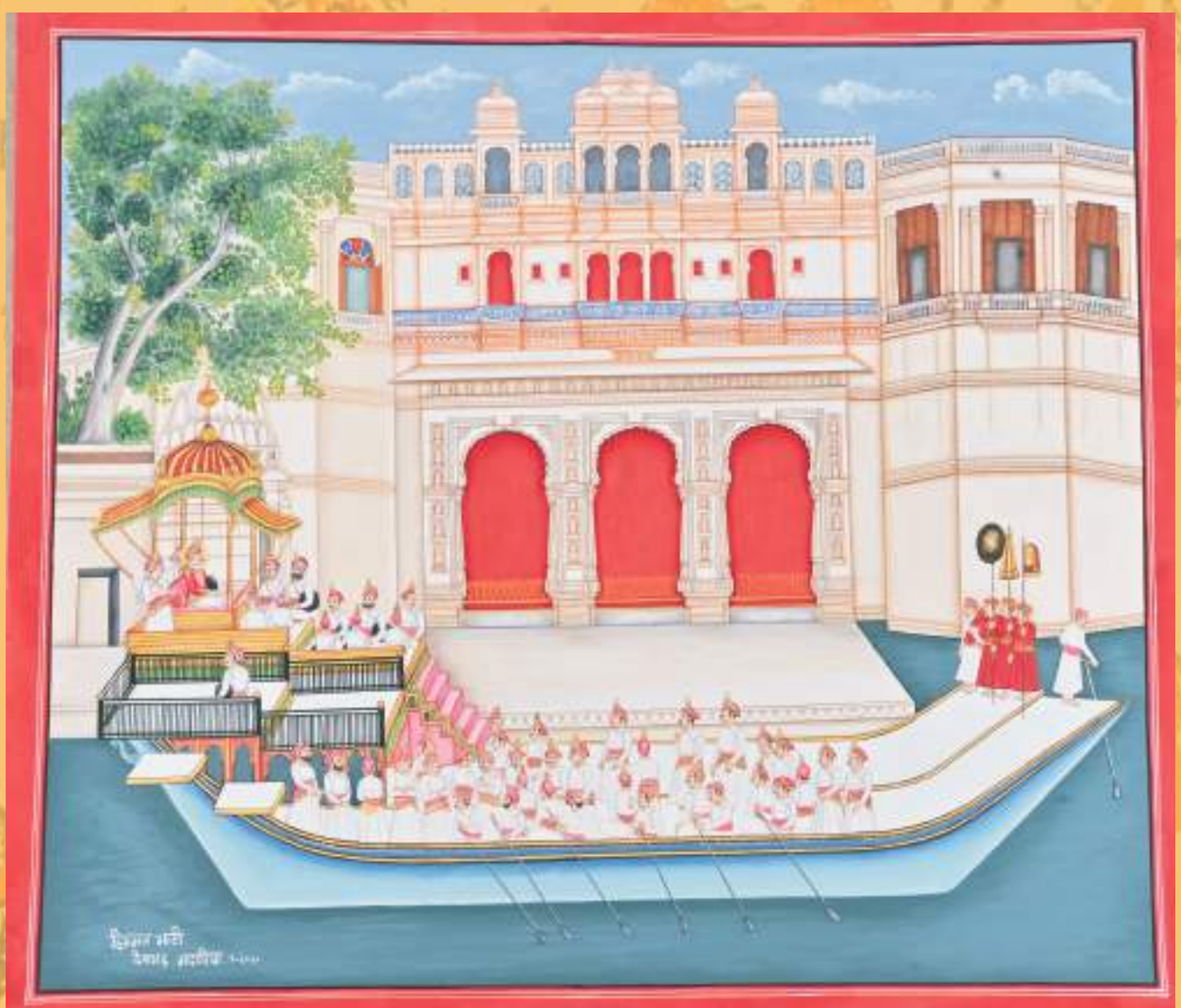

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर
West Zone Cultural Centre Udaipur